अगस्त 2023

विक्रम

भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद

Physical Research Laboratory, Ahmedabad

G20 भारत 2023 INDIA
वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

पीआरएल में आयोजित कार्यक्रमों की झलकियां

निदेशक की कलम से

राजभाषा हिंदी हमारे देश में गौरव का प्रतीक है और यह हर्ष का विषय है कि भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला अपनी नियमित गृह-पत्रिका "विक्रम" सतत रूप से अंकों को प्रकाशित कर रहा है। किसी कार्यालय को भावात्मक दृष्टि से जानने के लिए गृह-पत्रिका उत्कृष्ट माध्यम होती है। भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला की गृह-पत्रिका, स्टाफ सदस्यों की साहित्यिक प्रतिभा का दर्पण है। यह एक ऐसा मंच है जहां सदस्य अपने विविध नवीन विचारों को व्यक्त कर सकते हैं। भावनात्मक समृद्धि के साथ ही, हमारी पत्रिका में कार्यालय की महत्वपूर्ण गतिविधियों का प्रतिबिंब भी झलकता है।

वर्ष 2022-23 के दौरान, भारत सरकार की राजभाषा नीति के श्रेष्ठ कार्यान्वयन हेतु नगर राजभाषा कार्यान्वयन स्तर पर पर पीआरएल को प्रथम पुरस्कार मिला। इसके लिए मैं पीआरएल के सभी सदस्यों को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने हिंदी के कार्यान्वयन में अपना योगदान दिया।

एक भाषा के रूप में अगर हिंदी भाषा की विकास यात्रा की बात करें तो यह एक लंबी और सतत प्रक्रिया है। एक भाषा के विकास में उस समाज और संस्कृति की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है, जहाँ पर ये बोली जाती है। हिंदी भाषा के विकास में भी समाज और संस्कृति की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। हिंदी हर कोई सीख सकता है। यह एक सरल भाषा है। यह भाषा एक ऐसी भाषा है, जो भाव को भी प्रकट कर सकती है। हिंदी भारतीयों को एक सूत्र में बांधती है और एक सामूहिक पहचान दिलाती है।

हमने भारत सरकार के "आजादी का अमृत महोत्सव" के अंतर्गत गणतंत्र दिवस का कार्यक्रम मनाया जिसमें सीआईएसएफ के जवानों को प्रोत्साहित किया गया एवं आजादी के इस अमृत काल में विज्ञान की सफलता का भी स्मरण किया, ट्रेज़र हन्ट प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। यह प्रतियोगिता पीआरएल के सदस्यों एवं उनके परिवारजनों के लिए आयोजित की गई थी जिसमें एक अभूतपूर्व मनोरंजन का भान हुआ, फरवरी 2023 में पूर्व छात्र संघ की बैठक थी जिसमें काफी विज्ञान-विषयक चर्चा हुई, एफ.जी.आर.सी. कॉनफेरेंस-2023 पीआरएल, अहमदाबाद में आयोजित की गई जिसका उद्देश्य नए अध्ययनों और परिणामों के माध्यम से विभिन्न पृथ्वी प्रणाली प्रक्रियाओं और उनके संबंधों की हमारी समझ में हालिया प्रगति को उजागर करना था। इसके द्वारा विश्लेषणात्मक प्रगति, मॉडलिंग अध्ययन, स्वस्थान अवलोकन और प्रयोगशाला सिमुलेशन/प्रयोगों पर वैज्ञानिक कार्य पर प्रकाश डाला गया । स्वच्छता पखवाड़ा में सभी पीआरएल सदस्यों ने स्वच्छता की शपथ ली। सी.सी.एम.पी. 2023 जो संघनित पदार्थ भौतिकी पर पीआरएल सम्मेलन, संघनित पदार्थ भौतिकी और संबंधित क्षेत्रों में वर्तमान रुझानों पर चर्चा करने के लिए एक द्विवार्षिक सम्मेलन था उसका आयोजन हुआ, एन.एस.एस.डब्ल्यू. 2023 का आयोजन हुआ, जिसमें देश भर के वैज्ञानिक जो शॉक-वेव पर कार्य करते हैं, वे एकत्र हुए एवं मूल्यवान ज्ञान का विनिमय हुआ। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया जिसमें स्कूली छात्र/छात्राओं को आमंत्रित किया गया था, जिसके अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं थी एवं विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरण करके उनका प्रोत्साहन किया गया। पीआरएल स्पष्ट रूप से महिला-पुरुष भेदभाव से रहित निरंतर महिला सशक्तिकरण पर जोर देता आ रहा है। इसके लिए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर वार्ता एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। आई.पी.एस.ए./ आई.पी.एस.सी. कार्यशाला जो भारतीय ग्रहीय विज्ञान संघ (आईपीएसए) द्वारा आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का उद्देश्य सौर मंडल में ग्रहों की प्रक्रियाओं और प्रारंभिक सौर मंडल के विकास सहित ग्रह पिंडों के वायुमंडल, सतह और आंतरिक भाग से संबंधित हालिया प्रगति, परिणामों और अध्ययनों को उजागर करना था। यूएसओ-पीआरएल सोलर फिज़िक्स कार्यशाला का भी आयोजन बहुत प्रभावी ढंग से हुआ। कार्यालय में अग्नि से उत्पन्न आपातकालीन स्थिति से कैसे निजात पाया जाए इसके लिए अग्नि सुरक्षा सप्ताह मनाया गया जिसमें सीआईएसएफ के जवानों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया एवं अत्यंत प्रभावी तरीके के अग्नि शमन के तरीके बताए गए। भारतीय संविधान के शिल्पकार, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उनके द्वारा बताए गए सिद्धांत एवं नीतियों पर व्याख्यान आयोजित किया गया। यह पीआरएल का एक स्वर्णिम काल ही होगा कि हमारे यहाँ विंग कमांडर राकेश शर्मा जी आए और उन्होंने वार्ता के माध्यम से सदस्यों एवं विद्यार्थियों की जिज्ञासा का समाधान किया एवं उत्सुकता भी उत्पन्न किया। विश्व रक्त दाता दिवस को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें पीआरएल सदस्यों ने उत्साह पूर्वक रक्त दान दिया और गौरवान्वित महसूस किया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के दिन योग कैम्प का आयोजन किया गया। इस दिन योगाचार्य द्वारा योग का सही स्वरूप समझने को मिला एवं योग प्रतियोगिता का भी आयोजन इसी दिन किया गया। यह पीआरएल के लिए बहुत ही गर्व की बात है कि हमने परम विक्रम 1000 उच्च निष्पादन कंप्यूटर का उद्घाटन किया यह विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में बहुत बड़ी सफलता है। इसरो अध्यक्ष, श्री एस. सोमनाथ जी के कर-कमलों द्वारा इसका उद्घाटन किया गया।

राजभाषा के क्षेत्र में नियमित कार्यशालाएं, प्रशिक्षण एवं विभिन्न कार्यक्रमों की शृंखला तो जारी है ही, आपकी सूचना के लिए, हाल ही में हमने राजभाषा के प्रचार-प्रसार की दृष्टि से एक मासिक राजभाषा व्याख्यान शृंखला प्रारंभ किया है-पीआरएल अमृत राजभाषा व्याख्यान (PARV)। इसमें देश, विदेश के प्रख्यात व्यक्तत्व अपने ज्ञान को राजभाषा में साझा करते हैं।

मुझे विश्वास है कि हमारी पत्रिका आपके समक्ष साहित्य एवं विज्ञान की एक संतुलित उपहार स्वरूप होगी।

मुझे उम्मीद है कि पूर्व अंक की भांति इस अंक को भी पाठकगण रुचिकर और उपयोगी पाएंगे। मैं सभी को इस अंक के प्रकाशन पर बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ। आप सभी की प्रतिक्रिया सदैव अभिनंदनीय है।

अनिल भारद्वाज

अनिल भारद्वाज

संदेश

प्रिय पाठक

सत्य ही कहा है कि हिंदी को सुनने मात्र से ही बहुत लाभ होते हैं (अर्थ की दृष्टि से) ऐसी यह हिंदी भाषा बहु-गुण सम्पन्न है। भारत में प्राचीन समय से चली आ रही हिंदी भाषा अर्थ, काव्य और रचनात्मक की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी और सरल भाषा है। यह भाषा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर निरंतर ही विकासशील रही है। हिंदी एक वातावरण प्रभावी भाषा है जो एक प्रांत के लोगों को दूसरे प्रांत के लोगों से जोड़ने में सक्षम है।

हम हर बार ही यह प्रयास करते हैं की विक्रम पत्रिका का अंक हमेशा ही रोचक एवं ज्ञानवर्धक रहे और इसमें आप सभी हिंदी भाषा की उन्नति में सीधा योगदान दे रहे हैं। विक्रम पत्रिका का यह अंक भी बहुत सरल, मार्मिक एवं आकर्षक है। मैं आशा करता हूँ कि यह नवीन अंक आपके हृदय पटल को रोमांचित कर देगा।

हिंदी भाषा की उन्नति एवं प्रगति में यह कदम बहुत ही सराहनीय है और मैं विक्रम पत्रिका की सफलता के लिए सभी लेखकों एवं सम्पादन मंडल को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।

धन्यवाद।

प्रो. आर.डी. देशपांडे

वरिष्ठ प्रोफेसर एवं रजिस्ट्रार, पीआरएल

संपादकीय

सोम कुमार शर्मा

प्रिय पाठक गण

राजभाषा के माध्यम से हम सामाजिक एवं सांस्कृतिक समृद्धि को प्रोत्साहित करते हैं, जिससे भारतीय समाज की भाषा, संस्कृति, और परंपराओं को उजागर किया जा सकता है। इसी प्रकार हमारे संस्थान की गृह-पत्रिका द्वारा हम समाज के विविध पहलुओं से साहित्यिक कृतियों द्वारा हमारे स्टाफ सदस्यों एवं उनके परिवार जनों की कृतियों पर प्रकाश डालते हैं, ताकि विविधता में एकता के रंग प्रस्फुटित हो। हमारा प्रयास होता है कि वैज्ञानिक संस्थान होने के नाते यह पत्रिका में विज्ञान का भी अंश हो, जो शोध क्षेत्रों में हो रही प्रगति की झलक दे सके।

राजभाषा के माध्यम से कार्यालयीन काम की गुणवत्ता में सुधार होता है, क्योंकि यह सार्थक संवाद और सुगमता और सहयोग को बढ़ावा देता है। विक्रम पत्रिका में राजभाषा के माध्यम से लेख और गतिविधियों का संपादन करना महत्वपूर्ण है, ताकि पाठकों तक जानकारी सही और स्पष्ट रूप से पहुंच सके।

पत्रिका के नवीनतम प्रस्तुत अंक में हमारा प्रयास रहा है कि सभी के भावनात्मक एवं सृजनात्मक प्रतिभा को मंच मिले एवं हमारी पत्रिका सभी सदस्यों के लिए अभिव्यक्ति की सोपान बने।

आशा है कि विक्रम पत्रिका का यह अंक आप सभी को पसंद आएगा। आप पाठकगणों का मत भी हमारी पत्रिका की प्रगति एवं समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है। अतः सभी से विनम्र निवेदन है कि कृपया अपने विचार हमारे साथ साझा करें ताकि हम पत्रिका को उत्कृष्टता के एक नए स्तर तक ले जा सकें।

भवदीय

प्रो. सोम कुमार शर्मा (प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, विक्रम पत्रिका संपादन समिति)

पीआरएल का प्रतीक चिह्न

पीआरएल के
अनुसंधान क्षेत्र में
समाविष्ट हैं
पृथ्वी एवं
सूर्य
जो निमीलित हैं
चुम्बकीय क्षेत्र एवं विकिरण में
अनंत से अनंत तक
जिन्हें प्रकट कर सकती है
मानव की जिज्ञासा एवं विचार शक्ति

PRL research
encompasses
the Earth
the Sun
immersed in the fields
and radiations
reaching from and to
infinity
all that man's curiosity
and intellect can reveal

इस अंक में

क्रमांक	विषय सूची	लेखक	पेज संख्या
1	पीआरएल का अमृत व्याख्यान	सौजन्य: लोकेश कुमार साहू	1-2
2	"पीआरएल अमृत राजभाषा व्याख्यान (पर्व)"	सौजन्य: प्रदीप कुमार शर्मा	3-4
3	सरदार वल्लभभाई झवेरभाई पटेल - स्वतंत्रता सेनानी	वैभव जैन	5-6
4	पीआरएल में गणतंत्र दिवस समारोह - 26 जनवरी 2023	सौजन्य: आ.का.अ.म. स.	7-8
5	बेहरामपुरा स्कूली विद्यार्थियों को स्कूल बैग का वितरण	सौजन्य: पीआरएल रिजर्व्ड क्लास एम्प्लॉईस एसोसियशन	9
6	ट्रेजर हंट प्रतियोगिता 2022-23	सौजन्य: आ.का.अ.म. स.	10-11
7	पुस्तक प्रदर्शनी	सौजन्य: आ.का.अ.म. स.	12
8	वार्षिक बैडमिंटन टूर्नामेंट- 2022-23	सौजन्य: आ.का.अ.म. स.	13-14
9	स्वच्छता पखवाड़ा-2023	सौजन्य: स्वच्छता पखवाड़ा समिति	15-17
10	पीआरएल में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2023	सौजन्य: भूषित वैष्णव	18-19
11	"स्वास्थ्य-सूत्र - "मेरा स्वास्थ्य-मेरी ज़िम्मेदारी" पर एक विशेष व्याख्यान	सौजन्य: आ.का.अ.म. स./ स्वच्छता पखवाड़ा समिति	20-21
12	होली मिलन एवं होलिका दहन	सौजन्य: कर्मचारी कल्याण समिति	22
13	महिला दिवस समारोह पर रिपोर्ट	सौजन्य: प्रज्ञा पाण्डेय	23-27
14	वार्षिक टेबल टेनिस प्रतियोगिता-2022-23	सौजन्य: आ.का.अ.म. स.	28-29
15	52वीं राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक की रिपोर्ट	सौजन्य: रुमकी दत्ता	30
16	आईपीएससी कार्यशाला 2023	सौजन्य: जयेश पबारी	31
17	53वीं राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक की रिपोर्ट	सौजन्य: रुमकी दत्ता	32

18	सौर भौतिकी कार्यशाला	सौजन्य: हिंदी अनुभाग	33-34
19	हिंदी कार्यशाला (अप्रैल- सितंबर 2023)	सौजन्य: रुमकी दत्ता	35-37
20	राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह	सौजन्य: प्रदीप कुमार शर्मा	38-40
21	पीआरएल क्रिकेट लीग - 2023	सौजन्य: आ.का.अ.म. स.	41-43
22	डॉ. बी.आर.अम्बेडकर जयंती समारोह	सौजन्य: पीआरएल रिजर्व्ड क्लास एम्प्लॉईस एसोसियशन	44-45
23	विश्व पर्यावरण दिवस	सौजन्य: आ.का.अ.म. स.	46
24	उच्च निष्पादन कंप्यूटिंग सिस्टम प्रशिक्षण कार्यक्रम	सौजन्य: जिगर रावल	47-48
25	"स्वास्थ्य-सूत्र - "मेरा स्वास्थ्य-मेरी ज़िम्मेदारी"	सौजन्य: डॉ. शीतल एच पटेल	49
26	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2023 समारोह	सौजन्य: आ.का.अ.म. स.	50-53
27	परम विक्रम-1000 1 PF उच्च निष्पादन कंप्यूटिंग (एचपीसी) सुविधा का उद्घाटन	सौजन्य: कंप्यूटर नेटवर्किंग एवं सूचना प्रौद्योगिकी प्रभाग	54-57
28	पीआरएल में विंग कमांडर राकेश शर्मा	सौजन्य: भूषित वैष्णव	58
29	संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप-समिति द्वारा भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल), अहमदाबाद का निरीक्षण	सौजन्य: रुमकी दत्ता	59
30	GEM-COINS प्रणाली के समन्वय पर प्रतिपादन	सौजन्य: कंप्यूटर नेटवर्किंग एवं सूचना प्रौद्योगिकी प्रभाग	60
31	भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल), अहमदाबाद को राजभाषा के सर्वश्रेष्ठ कार्यान्वयन के लिए प्रथम पुरस्कार	सौजन्य: रुमकी दत्ता	61
32	परमविक्रम-1000 एचपीसी पर "चाय पे बाइट"	सौजन्य: जिगर रावल	62-63
33	राही	आर.डी. देशपांडे	64
34	बचपन की यादें	हर्षा पारीक	65-66

35	असली आज़ादी	हर्ष चोपड़ा	67
36	उड़ते कदम	नवल किशोर भद्री	67
37	संस्मरण	नवल किशोर भद्री	68-69
38	मानव जीवन और उसकी चुनौतियाँ	दिनेश यादव	70-71
39	इसरो के चंद्रयान-3 मिशन का सारांश	ऋषितोष कुमार सिन्हा	72-74

प्लेटिनम जयंती

1947 2022

भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला

PHYSICAL RESEARCH LABORATORY

PLATINUM JUBILEE

पीआरएल का अमृत व्याख्यान

सौजन्य: लोकेश कुमार साहू

पी.आर.एल. के प्लेटिनम जयंती के उपलक्ष्य में एवं स्वतंत्रता के 75 वर्ष के अमृत महोत्सव पर हमारे संस्थान ने 04 अगस्त 2021 को 'पीआरएल का अमृत व्याख्यान' श्रृंखला का शुभारम्भ किया है। इस व्याख्यान श्रृंखला में देश-विदेश के ख्यातिप्राप्त वक्ताओं एवं वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिए जा रहे हैं। ये व्याख्यान श्रृंखला ज्ञान-विज्ञान के साथ-साथ समसामयिक साहित्य, खेल-कूद, व्यवसाय, विधि, कला, साहित्य एवं संस्कृति, इत्यादि क्षेत्रों को सम्मिलित करती है। इस अंक में फ़रवरी - सितम्बर 2023 तक प्रस्तुत हुए व्याख्यान के शीर्षक, तिथि, वक्ता एवं वक्ता के संबंधन के बारे में विवरण सम्मिलित की गई हैं।

क्रम संख्या	शीर्षक एवं तिथि Title & Date	वक्ता Speaker	संबंधन Affiliation	फ़ोटो Photo
1.	अपोलो से आर्टेमिस: चंद्रमा का विज्ञान और अन्वेषण Apollo to Artemis: The Science and Exploration of the Moon **(**22/02/2023**)**	प्रो. महेश आनंद Prof. Mahesh Anand	स्कूल ऑफ फिजिकल, साइंसेज, द ओपन यूनिवर्सिटी, मिल्टन कीन्स, यूनाइटेड किंगडम School of Physical, Sciences, The Open University, Milton Keynes, United Kingdom	
2.	नेतृत्व का रहस्योद्घाटन Demystifying Leadership (29/03/2023)	प्रो. आशा कौल Prof. Asha Kaul	भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद Indian Institute of Management Ahmedabad	
3.	शॉकिंग लहरें - उपचारकारी स्पर्श! Shocking waves – Healing touch! (19/04/2023)	प्रो. गोपालन जगदीश Prof. Gopalan Jagadeesh	एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग, आईआईएससी, बैंगलोर Department of Aerospace Engineering, IISc, Bangalore	

4.	भविष्य का अंतरिक्ष अन्वेषण - एक परिप्रेक्ष्य Future Space Exploration – A Perspective (24/05/2023)	विंग. कमांडर. राकेश शर्मा, अशोक चक्र Wg. Cdr. Rakesh Sharma, Ashoka Chakra	फाइटर पायलट, भारतीय वायु सेना (सेवानिवृत्त), एचएएल में टेस्ट पायलट और पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री Fighter Pilot, Indian Air Force (Retd.), Test pilot at HAL & First Indian cosmonaut	
5.	उत्तर-पूर्व भारत में शिक्षा के माध्यम से शांति Peace Through Education in North-East India (14/06/2023)	कर्नल क्रिस्टोफर रेगो (सेवानिवृत्त) Col. Christopher Rego (Retd.)	संस्थापक और सीईओ, सनबर्ड ट्रस्ट, बेंगलुरु, कर्नाटक Founder And CEO, Sunbird Trust, Bengaluru, Karnataka	
6.	पिछली दो शताब्दियों में वैश्विक जलवायु परिवर्तन पर मानव प्रभाव: आइसोटोप-ट्रेसिंग तकनीकों का उपयोग Human Impact On Global Climate Change Over The Past Two Centuries: Use Of Isotope-Tracing Techniques (19/07/2023)	प्रो. मार्क बस्करन Prof. Mark Baskaran	पर्यावरण विज्ञान और भूविज्ञान विभाग, वेन स्टेट यूनिवर्सिटी, डेट्रॉइट Department Of Environmental Science And Geology, Wayne State University, Detroit	
7.	आइसक्यूब के साथ उच्च ऊर्जा ब्रह्मांड को देखना Seeing The High Energy Universe With Icecube (09/08/2023)	प्रो. सुबीर सरकार Prof. Subir Sarkar	भौतिकी विभाग, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम Department Of Physics, University Of Oxford, United Kingdom	

"पीआरएल अमृत राजभाषा व्याख्यान (पर्व)"

सौजन्य: प्रदीप कुमार शर्मा

भारत की स्वतंत्रता के गौरवशाली 75 वर्षों के उत्सवों और पीआरएल की स्थापना के प्लेटिनम जयंती समारोह की निरंतरता में, विभिन्न नए कार्यक्रमों की योजना बनाई जा रही है। मुझे राजभाषा - हिंदी में मासिक व्याख्यानों की एक नई श्रृंखला की घोषणा करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। इस मासिक हिंदी व्याख्यान श्रृंखला का नाम "पीआरएल अमृत राजभाषा व्याख्यान (PARV)" है।

PARV व्याख्यान श्रृंखला में, विज्ञान और कला, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, साहित्य और राजभाषा, कॉर्पोरेट व्यवसाय और उद्यमिता, प्रबंधन, उद्योग और विपणन, वित्त और मानव संसाधन, विधि और सामाजिक विज्ञान, खेल और यात्रा वृत्तांत, साहसिक मिशन, आध्यात्मिक दर्शन और पारंपरिक ज्ञान के विषय में, प्रख्यात व्यक्तित्वों द्वारा व्याख्यान दिया जाएगा।

PARV व्याख्यान हम सभी के लिए प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों के साथ चर्चा करने और विभिन्न सामान्य रुचिकर विषयों के बारे में हमारे दृष्टिकोण, समझ और जागरूकता को व्यापक बनाने का एक अनोखा अवसर होगा।

पीआरएल में दैनंदिन कार्यों में राजभाषा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2023-24 में राजभाषा हिंदी में मासिक व्याख्यानों की एक नई श्रृंखला प्रारंभ करने का संकल्प लिया गया है। इस मासिक हिंदी व्याख्यान श्रृंखला का नाम "पीआरएल अमृत राजभाषा व्याख्यान (PARV)" है। PARV व्याख्यान श्रृंखला में विज्ञान और कला, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, साहित्य और राजभाषा, कॉर्पोरेट व्यवसाय और उद्यमिता, प्रबंधन, उद्योग और विपणन, वित्त और मानव संसाधन, विधि और सामाजिक विज्ञान, खेल और यात्रा वृत्तांत, साहसिक मिशन, आध्यात्मिक दर्शन और पारंपरिक ज्ञान के विषय में प्रख्यात व्यक्तित्वों द्वारा व्याख्यान दिया जाएगा।

पीआरएल के निदेशक, प्रो. अनिल भारद्वाज द्वारा "पीआरएल अमृत राजभाषा व्याख्यान (PARV)" का उद्घाटन किया गया। इस व्याख्यान श्रृंखला का प्रथम व्याख्यान बुधवार 21 जून 2023 को दिया गया है। डॉ. बलदेवानंद सागर, विश्व संस्कृत मीडिया परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष, आकाशवाणी पर प्रधानमंत्री की "मन की बात" का संस्कृत मनोगतम के अनुवादक एवं प्रसारणक, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार व्याख्यानकर्ता रहे। इस व्याख्यान का विषय "भारत का अतीत, वर्तमान और भविष्य" था।

पर्व व्याख्यान का विवरण

क्र. सं.	दिनांक	शीर्षक	व्यख्यानकर्ता	संबंधन
1	2023-06-21	भारत का अतीत, वतमान और भिव	डॉ बलदेवानंद सागर	विश्व संस्कृत मीडिया परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष, आकाशवाणी पर प्रधानमंत्री की "मन की बात" का संस्कृत मनोगतम के अनुवादक एवं प्रसारणक, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार
2	2023-07-26	तनाव प्रबंधन	डॉ. हर्षिल मेहता	ज़ोनल हेड, एमर्जेन्सी मेडिसिन, Mbbs, Md (Emergency Medicine), Mrcem (Uk), Llb, Fees Marengo Cims Hospital

सरदार वल्लभभाई झवेरभाई पटेल - स्वतंत्रता सेनानी

सौजन्य: वैभव जैन

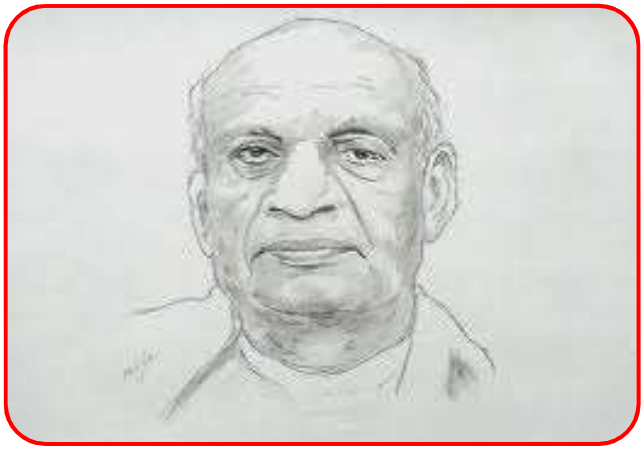

वल्लभभाई झवेरभाई पटेल (31 अक्टूबर 1875 – 15 दिसम्बर 1950), जो सरदार पटेल के नाम से लोकप्रिय थे, एक भारतीय राजनीतिज्ञ थे। उन्होंने भारत के पहले उप-प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। वे एक भारतीय अधिवक्ता और राजनेता थे, जो भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता और भारतीय गणराज्य के संस्थापक पिता थे जिन्होंने स्वतंत्रता के लिए देश के संघर्ष में अग्रणी भूमिका निभाई और एक एकीकृत, स्वतंत्र राष्ट्र में अपने एकीकरण का मार्गदर्शन किया। भारत और अन्य जगहों पर, उन्हें अक्सर हिंदी, उर्दू और फ़ारसी में सरदार कहा जाता था, जिसका अर्थ है "प्रमुख"। उन्होंने भारत के राजनीतिक एकीकरण और 1947 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान गृह मंत्री के रूप में कार्य किया।

जीवन परिचय

सरदार पटेल का जन्म नडियाद, गुजरात में एक लेवा पटेल(पाटीदार)[2] परिवार में हुआ था। वे झवेरभाई पटेल एवं लाडबा देवी की चौथी संतान थे। सोमाभाई, नरसीभाई और विट्ठलभाई उनके अग्रज थे। उनकी शिक्षा मुख्यतः स्वाध्याय से हुई। लन्दन जाकर उन्होंने बैरिस्टर की पढाई की और वापस आकर अहमदाबाद में वकालत करने लगे। महात्मा गांधी के विचारों से प्रेरित होकर उन्होने भारत के स्वतन्त्रता आन्दोलन में भाग लिया।

बारडोली सत्याग्रह

बारडोली सत्याग्रह, भारतीय स्वाधीनता संग्राम के दौरान वर्ष 1928 में गुजरात में हुआ एक प्रमुख किसान आंदोलन था, जिसका नेतृत्व वल्लभभाई पटेल ने किया । उस समय प्रांतीय सरकार ने किसानों के लगान में तीस प्रतिशत तक की वृद्धि कर दी थी। पटेल ने इस लगान वृद्धि का जमकर विरोध किया। सरकार ने इस सत्याग्रह आंदोलन को कुचलने के लिए कठोर कदम उठाए, पर अंतत: विवश होकर उसे किसानों की मांगों

को मानना पड़ा। एक न्यायिक अधिकारी ब्लूमफील्ड और एक राजस्व अधिकारी मैक्सवेल ने संपूर्ण मामलों की जांच कर 22 प्रतिशत लगान वृद्धि को गलत ठहराते हुए इसे घटाकर 6.03 प्रतिशत कर दिया।

इस सत्याग्रह आंदोलन के सफल होने के बाद वहां की महिलाओं ने वल्लभभाई पटेल को 'सरदार' की उपाधि प्रदान की। किसान संघर्ष एवं राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम के अंर्तसबंधों की व्याख्या बारदोली किसान संघर्ष के संदर्भ में करते हुए गांधीजी ने कहा कि इस तरह का हर संघर्ष, हर कोशिश हमें स्वराज के करीब पहुंचा रही है और हम सबको स्वराज की मंजिल तक पहुंचाने में ये संघर्ष सीधे स्वराज के लिए संघर्ष से कहीं ज्यादा सहायक सिद्ध हो सकते हैं।

<u>आजादी के बाद</u>

यद्यपि अधिकांश प्रान्तीय कांग्रेस समितियाँ पटेल के पक्ष में थीं, गांधी जी की इच्छा का आदर करते हुए पटेल जी ने प्रधानमंत्री पद की दौड़ से अपने को दूर रखा और इसके लिये नेहरू का समर्थन किया। उन्हे उपप्रधान मंत्री एवं गृह मंत्री का कार्य सौंपा गया।

गृह मंत्री के रूप में उनकी पहली प्राथमिकता देसी रियासतों (राज्यों) को भारत में मिलाना था। इसको उन्होने बिना कोई खून बहाये सम्पादित कर दिखाया। केवल हैदराबाद स्टेट के आपरेशन पोलो के लिये उनको सेना भेजनी पड़ी । भारत के एकीकरण में उनके महान योगदान के लिये उन्हे भारत के लौह पुरूष के रूप में जाना जाता है। सन १९५० में उनका देहान्त हो गया।

प्लेटिनम जयंती
1947 2022
PLATINUM JUBILEE

पीआरएल में गणतंत्र दिवस समारोह - 26 जनवरी 2023

सौजन्य: आ.का.अ.म. स.

भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) के थलतेज परिसर में 26 जनवरी, 2023 को 74वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। डॉ. अनिल भारद्वाज, निदेशक, पीआरएल ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया एवं उसके बाद राष्ट्रगान गाया गया।

तत्पश्चात निदेशक, पीआरएल ने पीआरएल परिवार को अपने संबोधन में, वर्ष के दौरान हासिल पीआरएल की उपलब्धियों के बारे में अवगत कराया।

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) के कर्मियों को उनके शौर्य एवं कर्तव्य के लिए तीन योग्यता पुरस्कार दिए गए। पीआरएल में 25 (पच्चीस) वर्ष की सेवा पूरी करने वाले पीआरएल स्टाफ सदस्यों को भी सेवा पुरस्कार प्रदान किए गए।

इसके बाद अन्य पुरस्कारों की प्रस्तुति हुई जैसे कि (a) पीआरएल स्टाफ सदस्यों के बच्चे जिन्होंने वर्ष 2022 के दौरान 10वीं और 12वीं कक्षा में हिंदी विषय में सर्वोच्च अंक प्राप्त किए। (b) अंतरिक्ष राजभाषा कार्यान्वयन योजना (सोलिस) से संबंधित पुरस्कार (c) हिंदी भाषण प्रतियोगिता (विश्व हिंदी दिवस) और (d) सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता।

पीआरएल में नए शामिल हुए पीआरएल सदस्यों, पुरस्कार विजेताओं, वर्ष के सेवानिवृत्त होने वाले और अन्य पीआरएल सदस्यों द्वारा थलतेज परिसर में वृक्षारोपण किया गया।

हमारे देश की स्वतंत्रता और विकास और संस्थान को आसमान सी ऊंचाइयों तक पहुँचाने के प्रतीक के रूप में इस अवसर पर तिरंगे गुब्बारे छोड़े गए। बच्चों ने इस समारोह का भरपूर आनंद उठाया।

भारत माता तेरी गाथा सबसे ऊँची तेरी शान,

तेरे आगे शीश झुकाये दे तुझको हम सब सम्मान।

कार्यक्रम की झलकियाँ

पीआरएल माउंट आबू में मनाए गए कार्यक्रम की कुछ झलकियां

बेहरामपुरा प्राइमरी स्कूल नंबर 22 में स्कूली विद्यार्थियों को स्कूल बैग का वितरण

सौजन्य: पीआरएल रिजर्व्ड क्लास एम्प्लॉईस एसोसियशन

अम्बेडकर जयंती (2022) के समारोह के अंतर्गत एवं निदेशक, पीआरएल के मार्गदर्शन और समर्थन के साथ, अहमदाबाद नगर निगम बोर्ड द्वारा संचालित बेहरामपुरा प्राइमरी स्कूल नंबर 22 के कक्षा 6 वीं से 8 वीं कक्षा के विद्यार्थियों को स्कूल बैग और कम्पास बॉक्स के वितरण का कार्यक्रम 25.01.2023 को आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान स्कूल के कुल 309 विद्यार्थियों को स्कूल बैग और कंपास बॉक्स वितरित किए गए।

डॉ. अनिल भारद्वाज, निदेशक, पीआरएल, डॉ. डी. पल्लम राजू, डीन, पीआरएल, डॉ. आर.डी. देशपांडे, रजिस्ट्रार, पीआरएल, प्रधान, का. एवं सा.प्र. और पीआरएल आरक्षित वर्ग कर्मचारी संघ के सदस्यों ने उपरोक्त कार्यक्रम में भाग लिया और स्कूली विद्यार्थियों को स्कूल बैग और कंपास बॉक्स वितरित किए।

बैग वितरण समारोह की कुछ तस्वीरें

ट्रेजर हंट प्रतियोगिता 2022-23

सौजन्य: आ.का.अ.म. स.

74वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर और आजादी का अमृत महोत्सव (आ.का.अ.म.) के अंतर्गत 26/01/2023 को पीआरएल थलतेज परिसर में ट्रेजर हंट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य, सभी प्रतिभागियों को पीआरएल के थलतेज परिसर की विभिन्न सुविधाओं, प्रयोगशालाओं, गलियारों और कोनों से अवगत कराना था। इस कार्यक्रम में स्थायी कर्मचारियों, शोध छात्र/छात्राओं, परियोजना एसोसिएट, पोस्ट-डॉक्टोरल फेलो, प्रशिक्षुओं और उनके परिवार के सदस्यों- माता-पिता/पति/पत्नी/बच्चे (10 वर्ष और उससे अधिक आयु के बच्चे) सहित कुल 105 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को 20 टीमों में विभाजित किया गया था और एक गूगल फॉर्म के माध्यम से संकेतों (क्लू) के लिंक प्रदान किए गए थे। प्रत्येक टीम को इस प्रकार से चिह्न ढूंढने के ले दिए गए थे ताकि वे पूरे परिसर को देख सकें। काफी मनन-चिंतन करते हुए सभी क्लू को विशिष्ट परिचय दिया गया था जिनमें तारामंडल और प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिकों के नाम शामिल थे। इस प्रतियोगिता के अनुसार प्रत्येक टीम को अपने निर्धारित स्थानों पर पहुंचना था और उस स्थान पर अपने समूह सदस्यों की एक सेल्फी अपलोड करनी थी। सेल्फी अपलोड होने के बाद, टीम को अगला क्लू गूगल फॉर्म द्वारा मिला। कम से कम समय में सही ढंग से इस हंट (प्रतियोगिता) को पूरा करने वाली टीमें विजेता रहीं। उत्साही सहयोगियों की मदद से यह कार्यक्रम बहुत सफल रहा।

कार्यक्रम के विजेता हैं

स्थान	टीम क्रमांक	टीम के सदस्यों के नाम
1	8	निर्भय उपाध्याय, जूना, सुनील कुमार, शुभेंद्र एन. दास, कर्मन सिंह, विख्यात उपाध्याय
2	20	सना अहमद, दिब्येंदु मिश्रा, अंकित, सोना पंचाल, उत्सव शर्मा
3	16	अनिल कुमार यादव, शशिकांत, पीना कोरी, शिवानी बलियान, स्मिता शाह, अक्षय प्रेरणा

आयोजक टीम, C-AKAM

डॉ. निष्ठा अनिल कुमार के नेतृत्व में आयोजक टीम एवं सदस्य –
श्री वैभव दीक्षित, श्री विशाल एम. शाह, श्रीमती प्रीति के. पोद्दार, डॉ. विशाल जोशी, श्री जय कृष्ण मेका, श्री श्रीराग नारायणन नांबियार, डॉ. प्रज्ञा पांडे, श्री नीलम जे एस एस वी प्रसाद, सुश्री सोनम जितरवाल, श्री भाटिया विश्वेशराज, श्री विष्णुभाई आर. पटेल, डॉ. मो. नुरुल आलम, श्रीमती नंदिनी आर राव, सुश्री जयश्री बालन अय्यर, श्रीमती हर्षा परमार

डॉ. लोकेश साहू, श्री प्रदीप कुमार शर्मा, श्री अतुल अशोक माणके

कार्यक्रम की झलकियाँ

पुस्तक प्रदर्शनी

सौजन्य: आ.का.अ.म. स.

पीआरएल पुस्तकालय द्वारा 26-27 जनवरी 2023 को थलतेज परिसर के ओल्ड बिल्डिंग फ़ोयर में आ. का. अ. म. गतिविधि के भाग के रूप में एक पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। तीन पुस्तक विक्रेताओं द्वारा लगभग 600 वैज्ञानिक, सामान्य और हिंदी पुस्तकें प्रदर्शित की गईं थीं।

परिसर में इस प्रकार की प्रदर्शनी,कर्मचारियों को उनकी रुचि के क्षेत्र में कई पुस्तकों को देखने/खरीदने में मदद करती है जो पुस्तकालय संग्रह बढ़ाने में उपयोगी हैं। इस प्रदर्शनी में पीआरएल के शोध छात्र/छात्राओं, कर्मचारियों और संकाय सदस्यों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। उनके द्वारा पुस्तकालय के लिए अनुशंसित 194 पुस्तकें और निजी उपयोग के लिए 4 पुस्तकें थीं। पीआरएल के शोध छात्र/छात्राओं, कर्मचारियों और संकाय सदस्यों ने इस कार्यक्रम का स्वागत किया।

कार्यक्रम की झलकियां

वार्षिक बैडमिंटन टूर्नामेंट- 2022-23

सौजन्य: आ.का.अ.म. स.

पीआरएल (भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला) कर्मचारी कल्याण समिति ने आजादी का अमृत महोत्सव समारोह के अंतर्गत, 4 और 5 फरवरी, 2023 को 2022-2023 सत्र के लिए वार्षिक बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन किया। टूर्नामेंट ने पीआरएल स्टाफ सदस्यों को अपने कौशल दिखाने और एक दोस्ताना और प्रतिस्पर्धी माहौल में एक दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक मंच प्रदान किया।

इस टूर्नामेंट का उद्घाटन पीआरएल के निदेशक डॉ. अनिल भारद्वाज ने किया, जिन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं और उन्हें खेल भावना और सौहार्द के साथ खेलने के लिए प्रोत्साहित किया। इस कार्यक्रम में उत्साही भागीदारी देखी गई और तीव्र जोश एवं कौशल के रोमांचकारी प्रदर्शन के साथ मैचों में कड़ी टक्कर हुई। इस टूर्नामेंट में सिंगल्स, डबल्स, टीम इवेंट्स और लकी डबल्स जैसे विभिन्न प्रारूपों में कई रोमांचक, मस्ती भरे और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी खेल देखे गए। इस वर्ष, टूर्नामेंट में समग्र भागीदारी जबरदस्त थी, जिसमें लगभग 50 प्रतिभागियों ने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया, जिसमें उदयपुर सौर वेधशाला, उदयपुर के प्रतिभागियों सहित पीआरएल के लगभग सभी क्षेत्रों ने भाग लिया।

ईवेंट श्रेणियां	टूर्नामेंट का परिणाम		
	विजेता	उपविजेता	तृतीय स्थान
महिला सिंगल्स	ऋचा प्रशांत कुमार	शिवानी बालियान	बैरेड्डी रम्या
ओपन सिंगल्स (पुरुष)	संदीप राउत	अमित पांडे	ए. शिवम्
ओपन डबल्स (पुरुष)	संदीप राउत अरविंद के.	आर.पी.सिंह धर्मेंद्र कामत	अतुल अशोक माणके राम लखन अग्रवाल
लकी डबल्स	अरविंद के. अतुल अशोक माणके	रोहन यूजीन लुइस लवजीत मीना	--
टीम इवेंट	**एएसटीएएस** संदीप राउत अरविंद के. नीलम प्रसाद संजय बालीवाल	**एसपीएएससी** आर.पी.सिंह धर्मेंद्र कामत जेकब सेबस्टियन अतुल अशोक माणके	**पीएसडीएन** विकास सोनी श्रीराग नांबियार

बैडमिंटन टूर्नामेंट में बड़ी संख्या में उत्साही दर्शक अपने पसंदीदा प्रतिभागियों का समर्थन करने के लिए आए थे। दर्शकों के उत्साह और तालियों ने दो दिवसीय आयोजन के दौरान एक जीवंत माहौल बना दिया।

कुल मिलाकर, बैडमिंटन टूर्नामेंट एक शानदार सफलता थी, जिसमें खिलाड़ी और दर्शक समान रूप से इस आयोजन की प्रतिस्पर्धात्मक लेकिन मैत्रीपूर्ण भावना का आनंद ले रहे थे। यह इस बात का एक अद्भुत उदाहरण था कि कैसे खेल लोगों को एक साथ ला सकते हैं और समुदाय और सौहार्द की भावना पैदा कर सकते हैं।

टूर्नामेंट की कुछ झलकियाँ

स्वच्छता पखवाड़ा-2023

सौजन्य: स्वच्छता पखवाड़ा समिति

"स्वच्छता एक्शन प्लान 2023-24" पर निदेशक सीईपीओ/नोडल अधिकारी, एसएपी से प्राप्त निर्देशों के अनुसार, स्वच्छता पखवाड़ा भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) में 1 से 15 फरवरी 2023 तक मनाया गया, जिसमें कहा गया है कि "सफाई और स्वच्छता" पर मुख्य ध्यान देने के साथ अंतरिक्ष और डीओएस केंद्रों / इकाइयों के विभाग में 1 से 15 फरवरी 2023 तक आयोजित किया जाना है।

स्वच्छता पखवाड़ा के एक भाग के रूप में, पीआरएल सदस्यों ने 01.02.2023 को स्वच्छता प्रतिज्ञा/शपथ ली। सभी कर्मचारियों को सलाह दी गई कि वे दिन-प्रतिदिन के आधिकारिक कार्यों में प्लास्टिक के अत्यधिक और अनियंत्रित उपयोग को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हों क्योंकि प्लास्टिक कचरे का संचय वैश्विक पर्यावरण के लिए खतरा बन रहा है।

स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के एक भाग के रूप में, पीआरएल के सभी परिसरों के साथ-साथ आवासीय कॉलोनियों में पखवाड़ा अवधि के दौरान फॉगिंग और फ्यूमिगेशन किया गया था। इसके अलावा, यह पूरे वर्ष नियमित गतिविधि के रूप में जारी रहेगा|

साफ-सफाई और स्वच्छता बनाए रखने के लिए, कार्यालय परिसरों के साथ-साथ आवासीय कॉलोनियों में जीएलआर और ओएचटी, सीवर लाइनों और कृत्रिम तालाबों जैसे जल निकायों की नियमित अंतराल पर सफाई की गई। माउंट आबू परिसर में सफाई अभियान चलाया गया। स्वच्छता पखवाड़ा-2023 के दौरान आर्थिक मरम्मत से परे अनुपयोगी फर्नीचर/उपकरणों के अभिलेखों/निपटान की छंटाई पर विशेष बल दिया गया था, जिसके लिए सभी मंडल अध्यक्षों एवं प्रमुखों ने पहल की थी और उचित प्रक्रिया के साथ निराई की कार्रवाई की गई।

पीआरएल सफाई, स्वच्छता और सैनिटेशन के संदेश को बढ़ावा देने और फैलाने के लिए समर्पित है। वेधशाला स्थलों सहित अहमदाबाद, माउंट आबू और उदयपुर में पीआरएल के परिसरों में, हम एक स्वच्छ और हरित वातावरण बनाए रखने को प्राथमिकता देते हैं। हमारा मानना है कि सभी जीवित प्राणियों की भलाई के लिए एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण आवश्यक है।

स्वच्छता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता हमारे परिसरों के भौतिक बुनियादी ढांचे से भी आगे तक फैली हुई है। पीआरएल सदस्य अपने व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में स्वच्छता के लिए योगदान देने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। हम जहां भी संभव हो, कचरे को कम करने, पुन: उपयोग करने और पुनर्चक्रण सहित जिम्मेदार अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं को

प्रोत्साहित और बढ़ावा देते हैं। हम अपने कर्मचारियों और छात्रों को स्वच्छता और स्वच्छता के महत्व के बारे में शिक्षित और जागरूक भी करते हैं |

स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों की झलकियां

स्वच्छता पखवाड़ा-2023 के तहत सालभर चलने वाली गतिविधि के रूप में, पीआरएल के संविदा कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को नियमित "स्वास्थ्य और स्वच्छता" के बारे में जागरूक करने के लिए एक व्याख्यान की व्यवस्था की गई थी। यह व्याख्यान पीआरएल चिकित्सा अधिकारी डॉ. शीतल पटेल द्वारा 10.05.2023 (बुधवार) को पीआरएल मुख्य परिसर में और 12.05.2023 (शुक्रवार) को पीआरएल थलतेज में दिया गया।

बातचीत का मुख्य उद्देश्य "स्वच्छता और सफाई" और तंबाकू आदि जैसी बुरी आदतों को छोड़ना था। चिकित्सा अधिकारी ने शुरू में संविदा कर्मियों को उनके नियमित काम में आवश्यक सफाई और स्वच्छता के महत्व के बारे में बताया और यह किसी के स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित करता है। उन्हें स्वच्छ, सुरक्षित और हरित पर्यावरण के लाभों के बारे में जागरूक कराया|

इसके अलावा, उन्हें कार्यस्थल के साथ-साथ घर पर भी विभिन्न बीमारियों और वायरल संक्रमण फैलने एवं स्वच्छता बनाए न रखने के परिणामों के बारे में जागरूक किया गया। उन्हें कचरे को अलग-अलग करके अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने की जानकारी दी गई। इसके अलावा, श्रमिकों को जंक और बासी भोजन खाने से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले परिणामों के बारे में जागरूक किया गया। व्याख्यान उनके लिए संवादात्मक और उपयोगी था। व्याख्यान के दौरान उनके व्यक्तिगत स्वच्छता के महत्व पर भी जोर दिया गया। कार्यक्रम का समापन स्वच्छता शपथ लेकर किया गया।

एसडब्ल्यूपीसी के अध्यक्ष प्रोफेसर एस रामचंद्रन ने सभा को संबोधित किया, एसडब्ल्यूपीसी के सह-अध्यक्ष और सदस्य भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सह संयोजक डॉ. प्रज्ञा पांडे ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन सुश्री हर्षा परमार ने किया। सीएमजी टीम के सदस्यों ने पावर कनेक्टिविटी, यूपीएस, डीजी और कूलिंग प्रणाली के विभिन्न परिचालन पहलुओं पर चर्चा की। सीएनआईटी टीम के सदस्यों ने दिन-प्रतिदिन के प्रणाली प्रशासन कार्यों और एचपीसी निगरानी पर चर्चा की। सीएनआईटी टीम और एचपीसी समिति निदेशक, पीआरएल, रजिस्ट्रार, पीआरएल, डीन, पीआरएल, अध्यक्ष, कंप्यूटर समिति और सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार प्रकट करती है।

स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत "स्वास्थ्य एवं स्वच्छता" पर एक विशेष व्याख्यान की झलकियां

पीआरएल में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2023

सौजन्य: भूषित वैष्णव

भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला ने हाल ही में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (एनएसडी) 2023 को दो चरणों में मनाया, जिसमें विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम और गतिविधियाँ आयोजित की गई। चरण 1 में, पीआरएल के सदस्यों ने पूरे गुजरात में 19 विभिन्न केंद्रों का दौरा किया और 22 जनवरी 2022 को अरुणा लाल छात्रवृत्ति के लिए एक स्क्रीनिंग परीक्षा आयोजित की। इस वर्ष, दो नए केंद्र जोड़े गए, और परीक्षा में राज्य के 163 स्कूल शामिल हुए, जिनमें 868 विद्यार्थी उपस्थित हुए। उत्साहवर्धक बात यह है कि इनमें से 44% विद्यार्थी बालिकाएं थीं। स्क्रीनिंग परीक्षा के साथ, पीआरएल टीम ने 11 केंद्रों पर विज्ञान प्रयोगों का प्रदर्शन किया, जिसमें 22 प्रयोगों को अन्य केंद्रों से लाइव फीड के माध्यम से कवर किया गया, और लगभग 5000 विद्यार्थियों ने विज्ञान एक्सप्रेस का दौरा किया। इसके अतिरिक्त, गुजरात के 19 केंद्रों पर विक्रम साराभाई प्रोत्साहन योजना (विकास) छात्रवृत्ति परीक्षा भी आयोजित की गई थी।

चरण 2 में, स्क्रीनिंग परीक्षा से चयनित विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए शनिवार, 25 फरवरी 2023 को पीआरएल में आने के लिए आमंत्रित किया गया। इस दिन 150 से अधिक विद्यार्थियों एवं 60 शिक्षकों/ अभिभावकों ने पीआरएल का दौरा किया। अरुणा लाल छात्रवृत्ति के लिए चयनित विद्यार्थियों का साक्षात्कार लिया गया। विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए आयोजित महत्वपूर्ण गतिविधियाँ निम्नानुसार रहीं;

1) पोस्टर एवं मॉडल प्रतियोगिता,
2) डिजिटल प्रारूप में 'ऑन-द-स्पॉट प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता',
3) 'पीआरएल में विज्ञान का परिचय' विषय पर व्याख्यान,
4) 'साइबर सुरक्षित व्यवहार - साइबर में स्वयं को देखें' विषय पर व्याख्यान,
5) पीआरएल के वैज्ञानिकों के साथ चर्चा,
6) विज्ञान के प्रयोगों का प्रदर्शन,
7) कार्यशाला एवं पुस्तकालय का दौरा,
8) दूरबीन के माध्यम से सूर्य की विशेषताओं का प्रत्यक्ष अवलोकन,
9) विज्ञान कार्टून प्रतियोगिता,
10) माउंट आबू वेधशाला और उदयपुर सौर वेधशाला का एक आभासी (वर्चुअल) दौरा।

कार्यक्रम की झलकियाँ

प्लेटिनम जयंती समारोह को चिह्नित करने के लिए, 75 पुरस्कार प्रदान किए गए, जिनमें 2023 के लिए 5 अरुणा लाल छात्रवृत्ति भी शामिल हैं। विद्यार्थियों, शिक्षकों और उनके साथ आए अभिभावकों ने गतिविधियों का आनंद लिया और सक्रिय रूप से इनमें भाग लिया, जिससे राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का समारोह आनंदमय और सफल रहा।

"स्वास्थ्य-सूत्र - "मेरा स्वास्थ्य-मेरी ज़िम्मेदारी" पर एक विशेष व्याख्यान

सौजन्य: आ.का.अ.म. स. / स्वच्छता पखवाड़ा समिति

घरेलू और वैश्विक मांग पैदा करने एवं लोगों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने हेतु, भारत सरकार ने संयुक्त राष्ट्र को 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मीलेट वर्ष (IYoM-2023) घोषित करने का प्रस्ताव दिया था। भारत के इस प्रस्ताव को 72 देशों ने समर्थन दिया और संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) ने 5 मार्च, 2021 को 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मीलेट वर्ष घोषित किया। इसके परिणामस्वरूप माननीय केंद्रीय वित्त मंत्री ने 1 फरवरी 2022 को बजट घोषणा की: "2023 को अंतर्राष्ट्रीय मीलेट वर्ष के रूप में घोषित किया गया।"

इस संदर्भ में, आजादी का अमृत महोत्सव और स्वच्छता पखवाड़ा की वार्षिक गतिविधि के एक भाग के रूप में, सोमवार, 19 जून 2023 को, के. आर. रामनाथन सभागार में मीलेट, आयुर्वेद, स्वच्छता और स्वस्थ जीवन शैली पर अंतर्राष्ट्रीय मीलेट वर्ष (IYM-23) विषय पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया था।

वैद्य डॉ. जय प्रकाश राम, एम.डी., पीएचडी, क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (आरएआरआई), आयुष मंत्रालय, अहमदाबाद को मीलेट, आयुर्वेद, स्वच्छता और अंतर्राष्ट्रीय मीलेट वर्ष (आईवाईएम 23) विषय पर एक विशेष व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था। व्याख्यान का विषय था "स्वास्थ्य-सूत्र - मेरा स्वास्थ्य-मेरी ज़िम्मेदारी"

वैद्य डॉ. जय प्रकाशराम ने व्याख्यान की शुरुआत स्वास्थ्य से संबंधित चरक संहिता के संस्कृत श्लोक से की। इसके अलावा, उन्होंने बुनियादी खान-पान और नियमित जीवनशैली के बारे में बताया। उन्होंने IYM-2023 समारोह के महत्व पर प्रकाश डाला। वैद्य डॉ. जय प्रकाशराम ने मीलेट के विभिन्न स्वास्थ्य लाभों और जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न कठिन परिस्थितियों में इसकी खेती के लिए उपयुक्तता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने मीलेट के महत्व और लाभ, इसके प्रकार और वितरण पर चर्चा की।

उन्होंने आयुर्वेद में शरीर, मन और व्यवहार के नियामक सिद्धांतों की तीन श्रेणियां, जिन्हें वात, पित्त और कफ दोष कहा जाता है, के बारे में विस्तार से बताया। आयुर्वेद मनुष्य के लिए वरदान है जिसमें किसी भी बीमारी के छिपे हुए मूल कारण को भी आयुर्वेद की मदद से पता लगाया जा सकता है और उसका निवारण जा सकता है। उन्होंने मनुष्य की दैनिक जीवनशैली और वह नियमित शारीरिक चक्र को कैसे प्रभावित करती है, इसके बारे में भी बताया। उन्होंने विपरीत भोजन करने से होने वाले नुकसान और हमारे शरीर के लिए पानी की आवश्यकता के बारे में भी जानकारी दी।

व्याख्यान में निदेशक, पीआरएल, डीन पीआरएल, रजिस्ट्रार, पीआरएल, पीआरएल स्टाफ सदस्य, शोधकर्ता, पीडीएफ और प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। उदयपुर सौर वेधशाला और माउंट आबू से पीआरएल सदस्य वेबएक्स लिंक के माध्यम से ऑनलाइन शामिल हुए। व्याख्यान के बाद प्रश्नोत्तरी सत्र का आयोजन किया गया।

इसके बाद, पीआरएल के निदेशक ने उन्हें पीआरएल स्मृति चिन्ह और तुलसी पौधा देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

व्याख्यान की कुछ तस्वीरें

होली मिलन एवं होलिका दहन

सौजन्य: कर्मचारी कल्याण समिति

इस वर्ष, पीआरएल कर्मचारी कल्याण समिति ने कार्मिकों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए 7 मार्च 2023 को थलतेज परिसर में "होली मिलन और होलिका दहन" कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत रात्रि में लगभग 08:00 बजे विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुई जिसके बाद पीआरएल के निदेशक डॉ. अनिल भारद्वाज द्वारा "होलिका दहन" किया गया और सभी को गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दीं। सभी प्रतिभागियों ने एक-दूसरे को गुलाल भी लगाया और होली का आनंद लिया। इस आयोजन में लगभग 160 सदस्यों ने भाग लिया। इसके अलावा इस होली मिलन समारोह में गीत-संगीत का भी कार्यक्रम हुआ और सभी ने अलग-अलग थीम पर डांस किया।

कार्यक्रम की कुछ तस्वीरें

महिला दिवस समारोह पर रिपोर्ट

सौजन्य: प्रज्ञा पाण्डेय

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं की उपलब्धियों का एक वैश्विक उत्सव और लैंगिक समानता की ओर अग्रसर होने का आह्वान है। प्रति वर्ष 08 मार्च को मनाया जाने वाला यह दिन लैंगिक समानता की दिशा में हुई प्रगति एवं इस दिशा में समान अवसर और अधिकार सुनिश्चित करने के लिए किए जाने वाले कार्यों को दर्शाने का एक अवसर है।

कार्ययोजना के अनुसार पीआरएल के सभी परिसरों यानी गुजरात (नवरंगपुरा और थलतेज) और राजस्थान (माउंट आबू और उदयपुर) में महिला दिवस समारोह के रूप में की गई गतिविधियों की एक विस्तृत रिपोर्ट संलग्न है। संबंधित दस्तावेज़ जैसे ईमेल पत्राचार, नोटिस आदि अनुलग्नक में संलग्न हैं। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम की तस्वीरें भी निम्नानुसार हैं।

घरेलू हिंसा पर जागरूकता व्याख्यान :

पीआरएल की चिकित्सा अधिकारी डॉ. शीतल पटेल द्वारा पीआरएल में संविदात्मक महिला कर्मचारियों के लिए महिलाओं के खिलाफ घरेलू हिंसा पर एक व्याख्यान दिया गया। दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए एक गहन और संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया, जहां उन्हें घरेलू हिंसा के खिलाफ नियमों और अधिनियमों से परिचित कराया गया और इसे रोकने के उपायों/प्रावधानों के विषय में बताया गया। इस बात पर भी जोर दिया गया कि न तो किसी को अपशब्द सुनना चाहिए और न ही उससे किसी को कष्ट होने देना चाहिए। एकजुटता के साथ खड़े होकर, महिलाएं अपनी आवाज उठा सकती हैं और बदलाव की मांग कर सकती हैं। एकजुटता का अर्थ महिलाओं के अनुभवों के आपसी संबंधों को पहचानना और अधिक समावेशी और विविध अभियान की दिशा में काम करना भी है।

पोस्टर डिज़ाइनिंग प्रतियोगिता:

पीआरएल के सदस्यों के लिए पोस्टर डिजाइन करने में अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए "घरेलू हिंसा रोकथाम" विषय पर एक पोस्टर डिजाइनिंग प्रतियोगिता भी आयोजित की गई थी, जो संदेश के सार को दर्शा सके। प्रतियोगिता त्रिभाषी यानी गुजराती, हिंदी और अंग्रेजी में थी। पोस्टरों का मूल्यांकन मौलिकता, रचनात्मकता, दृश्यात्मक प्रभाव

और संदेश प्रभावशीलता के मानदंडों के आधार पर प्रविष्टियों पर किया गया था। इनमें से तीन पुरस्कार प्रदान किये गए। पोस्टर जो प्राप्त हुए:

आत्म-रक्षा पर सत्र:

महिलाओं के लिए आत्मरक्षा सीखना न केवल स्वयं की रक्षा करने में सक्षम होने के लिए आवश्यक है, बल्कि तकनीक को जानने के लिए भी आवश्यक है, जो आत्मविश्वास, बेहतर स्थितिजन्य जागरूकता, स्वयं की रक्षा के लिए स्वतंत्रता आदि में मदद करती है। इस संदर्भ में, सुश्री श्रेया मिश्रा, वैज्ञानिक/इंजीनियर- एस.सी. द्वारा एक आत्मरक्षा सत्र का आयोजन किया गया, जो स्वयं प्रशिक्षित हैं और ताइक्कांडो में ब्लैक बेल्ट प्राप्त कर चुकी हैं। यह सत्र क्रमशः 01 मार्च और 02 मार्च को पीआरएल नवरंगपुरा और थलतेज में आयोजित किया गया था। निदेशक, प्रो. अनिल भारद्वाज द्वारा वर्ष भर नियमित अंतराल पर इस प्रकार के सत्र आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया है।

बिभा चौधरी स्मृति व्याख्यान:

चूँकि डॉ. बिभा चौधरी ने अपना अधिकांश कामकाजी जीवन पीआरएल में बिताया, इसलिए उन्हें श्रद्धांजलि के रूप में, पीआरएल उनके नाम पर एक वार्षिक स्मृति व्याख्यान का आयोजन करता है। यह स्मृति व्याख्यान विज्ञान, प्रौद्योगिकी या सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में प्रख्यात महिला शोधकर्ताओं को स्मरण करने के लिए आयोजित किया जाता है। इसे जारी रखते हुए, तीसरा बिभा चौधरी व्याख्यान 07 मार्च, 2023 को डॉ. रमा गोविंदराजन द्वारा दिया गया। वार्ता का विषय "प्रवाह में छोटे कणों की गतिशीलता" था।

लोकोपकार:

पीआरएल दृढ़ता से न केवल संगठन के सदस्यों को समृद्ध बनाने और उनकी मदद करने में विश्वास रखता है, बल्कि समग्र रूप से व्यक्तियों, समुदायों या समाज के कल्याण में सुधार लाने का भी लक्ष्य रखता है। यह दूसरों को व्यक्तिगत स्तर पर योगदान देने के लिए प्रेरित करते हुए, समग्र सहकार की संस्कृति भी बनाता है। अहमदाबाद और उदयपुर में गैर सरकारी संगठनों (एन.जी.ओ.) में काम करने वाली महिलाओं को लंच बॉक्स और पानी की बोतलों के साथ किराने का समान वितरित किया गया।

15 मार्च को आई.डब्ल्यू.डी. कार्यक्रम के दौरान गतिविधियाँ:

15 मार्च को आईडब्ल्यूडी उत्सव के दौरान, कार्यक्रम की शुरुआत पीआरएल की सभी महिला कर्मचारियों के द्वारा उनके कार्यक्षेत्र के अतिरिक्त अन्य कार्यक्षेत्रों में भी शीर्ष स्थान प्राप्त करने के साथ-साथ नृत्य, खेल, गायन आदि अतिरिक्त गतिविधियों में भी ऊंचाइयों तक पहुंचने के प्रदर्शन के साथ हुई। इसके बाद नृत्य प्रस्तुति दी गयी। निदेशक, प्रो. अनिल भारद्वाज ने भी सभा को प्रेरणादायक शब्दों के साथ संबोधित किया और बताया कि कैसे महिलाएं किसी भी परिस्थिति में आसमान छूने में सक्षम हैं। बाद में, एल जे यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर अंजना व्यास ने " DigitALL: लैंगिक समानता के लिए नवीनता और प्रौद्योगिकी" विषय पर एक व्याख्यान दिया। अंत में, 15.03.2023 को समापन समारोह में महिला दिवस समारोह के दौरान की गई और आयोजित गतिविधियों और कार्यक्रमों पर एक रिपोर्ट महिला सेल की अध्यक्ष प्रो. श्रुबाबती गोस्वामी द्वारा प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में अन्य यूट्यूब दर्शकों सहित लगभग 250 दर्शकों ने भाग लिया।

अन्तः, महिला दिवस महिलाओं की उपलब्धियों का एक महत्वपूर्ण समारोह है और लैंगिक समानता की ओर अग्रसर होने का आह्वान है। यह लैंगिक समानता की दिशा में प्रगति और उस कार्य पर विचार करने का समय है जिसे अभी भी करने की आवश्यकता है।

महिलाओं को सशक्त बनाकर और एकजुटता से खड़े होकर, हम एक ऐसी दुनिया बना सकते हैं जहां सभी महिलाओं को समान अवसर और अधिकार प्राप्त हों।

अंतरराष्ट्रीय
महिला दि
"It is necessary in creative work to be able to see squirrels and birds."

महिला दिवस में आयोजित विभिन्न गतिविधियों की झलकियाँ

वार्षिक टेबल टेनिस प्रतियोगिता-2022-23

सौजन्य: आ.का.अ.म. स.

भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला प्रतिभा को बढ़ावा देने और विविध पृष्ठभूमि से आए अपने कर्मचारियों और शोधकर्ताओं के लिए अवसर प्रदान करने के लिए समर्पित है। आजादी का अमृत महोत्सव समारोह के अंतर्गत, इस परंपरा को जारी रखते हुए 11 और 12 मार्च, 2023 को वार्षिक टेबल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन किया एवं इसके लिए हम गौरवान्वित महसूस करते हैं।

इस प्रतियोगिता का उद्घाटन डॉ. अनिल भारद्वाज, निदेशक, पीआरएल ने किया, जिन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं और उन्हें खेल भावना से खेलने के लिए प्रोत्साहित किया। इस प्रतियोगिता में सिंगल्स, डबल्स, टीम इवेंट्स, मिक्स-डबल्स और लकी डबल्स जैसे विभिन्न प्रारूपों में कई रोमांचक, मनोरंजक और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी खेल देखे गए। इस वर्ष, प्रतियोगिता में कुल मिलाकर भागीदारी बहुत बढ़िया थी। इस वर्ष, 30 पुरुषों और 6 महिलाओं सहित 36 कर्मचारियों और शोधकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक प्रतियोगिता में भाग लिया, अपनी कुशलता और ताल-मेल का प्रदर्शन किया। दर्शकों की तालियों ने उत्साह वर्धन किया और दो दिनों के आयोजन को जीवंत बना दिया। जैसे कि महान आर्थर ऐश ने एक बार कहा था, "सफलता एक यात्रा है, मंजिल नहीं, कार्य करना अकसर परिणाम से अधिक महत्वपूर्ण होता है।" हम सभी प्रतिभागियों और विजेताओं को बधाई देते हैं, और उनके सफलता की यात्रा में योगदान देने की आशा करते हैं।

EVENT CATEGORIES	Results		
	Winner	Runner up	Third Place
Veteran Singles	DR. ANIL BHARDWAJ	DR. J BANERJI	DR. SOM KUMAR SHARMA
Women Singles	MS. MONIKA DEVI	MS. MEGHNA SONI	DR. SADHANA SINGH
MIX Doubles	MS. MEGHNA SONI MR. ATUL ASHOK MANKE	MS. MONIKA DEVI MR. ANIRBAN GHOSH	DR. SADHANA SINGH MR. RAM LAKHAN AGRAWAL
Open Singles	MR. ANIRBAN GHOSH	DR. GOUTAM K SAMANTA	DR. RAVINDRA PRATAP SINGH
Open Doubles	MR. RAM LAKHAN AGRAWAL MR. ANIRBAN GHOSH	MR. SENTHIL BABU T J MR. B G THAKOR	MR. SHASHANK URMALIA DR. SOVAN SAHA
Lucky Doubles	MR. ATUL ASHOK MANKE MR. RAM LAKHAN AGRAWAL	MR. PRADEEP K SHARMA MR. ANIRBAN GHOSH	MS. MONIKA DEVI MR. B G THAKOR
Team Event	AMOPH DR. GOUTAM K SAMANTA MR. ANIRBAN GHOSH MS. MONIKA DEVI	SPASC DR. RAVINDRA PRATAP SINGH MR. ATUL ASHOK MANKE MR. SHASHANK URMALIA DR. SOVAN SAHA	Administration & Services MR. PRADEEP K SHARMA MR. RAM LAKHAN AGRAWAL MR. B G THAKOR MR. SENTHIL BABU T J

टूर्नामेंट की कुछ झलकियाँ

52वीं राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक की रिपोर्ट

सौजन्य: रुमकी दत्ता

पीआरएल की 52वीं राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक डॉ. अनिल भारद्वाज, निदेशक, पीआरएल की अध्यक्षता में 13 मार्च, 2023 को आयोजित हुई। इस बैठक में राजभाषा के कार्यान्वयन संबंधी महत्वपूर्ण चर्चा की गई।निदेशक महोदय ने सभी विभागों में चल रहे हिंदी संबंधी प्रगति की समीक्षा की एवं आगामी प्रयोग को लेके कुछ सुझाव भी प्रेषित किए। इस बैठक में हिंदी प्रशिक्षण संबंधी चर्चा हुई जिसमें सभी प्रधान एवं उप-प्रधान को यह निर्देश दिए गए की उनके विभाग में यदि किसी को हिंदी प्रशिक्षण की आवश्यकता हो तो तत्काल पूछा जाए। इस बैठक में प्रत्येक तिमाही के दौरान सभी प्रभागों एवं अनुभागों के प्रधान से हिंदी संबंधी नियमों का शक्ति से अनुपालन करने के लिए कहा गया। इस बात पर भी बल दिया गया कि बैठकों में चर्चा हिंदी में एवं राजभाषा हिंदी के बारे में चर्चा की जाए।

बैठक की झलकियां

आईपीएससी कार्यशाला 2023

सौजन्य: जयेश पबारी

ग्रह विज्ञान के क्षेत्रों में अनुसंधान सौर मंडल की उत्पत्ति और विकास, ग्रह भूविज्ञान, ग्रहों के वायुमंडलीय, अंतरग्रहीय धूल गतिशीलता, सौर हवा के प्रभाव, प्रयोगशाला में एनालॉग नमूना अध्ययन, डेटा विश्लेषण, इंस्ट्रूमेंटेशन आदि जैसे विषयों को कवर करता है। भारतीय ग्रह विज्ञान संघ (आईपीएसए) ने ग्रहों की खोज: गोइंग बियोंड पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया है!. कार्यशाला का आयोजन डॉ. जयेश पाबारी द्वारा 20-21 मार्च 2023 के दौरान भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद में किया गया था। कार्यशाला का उद्देश्य भारतीय विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और अकादमिक और अनुसंधान संस्थानों के उज्ज्वल और प्रतिभाशाली युवा दिमागों को ग्रहों की खोज में करियर बनाने के लिए प्रेरित करना है। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान, ट्यूटोरियल, हैंड्स-ऑन और प्रयोगशाला दौरे शामिल थे। कुल 350 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 52 छात्रों को देश के विभिन्न हिस्सों से शॉर्टलिस्ट किया गया था। कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को ग्रह विज्ञान के बारे में जागरूक करना था। माननीय प्रोफेसर अनिल भारद्वाज (निदेशक, पीआरएल), प्रोफेसर डी पल्लमराजू (डीन, पीआरएल) और प्रोफेसर आरडी देशपांडे (रजिस्ट्रार, पीआरएल) ने उद्घाटन सत्र की शोभा बढ़ाई थी। दूसरे दिन लीक से हटकर विषयों पर छात्रों की प्रस्तुतियों की व्यवस्था की गई और कार्यशाला समापन सत्र के साथ समाप्त हुई। अनिल भारद्वाज (निदेशक, पीआरएल), प्रोफेसर डी पल्लमराजू (डीन, पीआरएल), प्रोफेसर आरडी देशपांडे (रजिस्ट्रार, पीआरएल), एलओसी सदस्यों, विस्तारित एलओसी सदस्यों, आईटी टीम, इलेक्ट्रिकल टीम और अन्य सदस्यों सहित कई लोगों ने कार्यशाला के लिए जरूरत पड़ने पर मदद की थी।

आईपीएससी कार्यशाला 2023 की तस्वीरें

53वीं राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक की रिपोर्ट

सौजन्य: रुमकी दत्ता

पीआरएल की 53वीं राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक डॉ. अनिल भारद्वाज, निदेशक, पीआरएल की अध्यक्षता में 27 मार्च, 2023 को आयोजित हुई। इस बैठक में वार्षिक कार्यक्रम 2023-24 की विस्तृत रूप से चर्चा की गई। धारा 3(3) के दस्तावेज, हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में दिए जाने तथा मूल पत्राचार के विषय में सदैव सजग रहने का निर्देश दिया गया। इस वर्ष भी सभी लक्ष्यों को न केवल प्राप्त किया जाए बल्कि प्रतिशतता में वृद्धि के उपाय भी किए जाएं। नोटिंग, ड्राफ्टिंग अधिकांशतः हिंदी में ही किए जाएं और संबंधित जांच बिंदु अधिकारी शक्ति से उनका अनुपालन सुनिश्चित करें। कार्यालय के सभी नाम पट्ट, सूचना पट्ट, रबर की मोहरें आदि द्विभाषी में ही हों इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए एवं यह भी निर्देश दिया गया की बैठकों आदि की कार्यसूची एवं कार्यवृत्त हिंदी में जारी किए जाएं।

बैठक की झलकियां

सौर भौतिकी कार्यशाला

सौजन्य: हिंदी अनुभाग

उदयपुर सौर वेधशाला में दिनांक 3-5 अप्रैल 2023 तक तीन दिवसीय सौर भौतिकी कार्यशाला "बहु-स्तरीय सौर परिघटनाएँ: वर्तमान क्षमताएं एवं भावी चुनौतियाँ [यूएसपीडब्ल्यू -2023]" का आयोजन किया गया |

कार्यक्रम का उद्घाटन इसरो के पूर्व चेयरमेन तथा तात्कालिक सदस्य, प्रधान मंत्री विज्ञान प्रौद्योगिकी और नवाचार सलाहकार परिषद, भारत सरकार के अध्यक्ष श्री ए एस किरण कुमार के द्वारा किया गया। इस अवसर पर भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला अहमदाबाद के निदेशक, प्रोफेसर अनिल भारद्वाज ने सभी आगंतुक वैज्ञानिकों का अपने स्वागत अभिभाषण के साथ अभिनंदन किया और सभी सौर वैज्ञानिकों को वर्तमान सौर शोध विषयों पर परिचर्चा के लिए एक मंच पर लाने के इस कार्यशाला के उद्देश्य से अवगत कराया। प्रोफेसर अनिल भारद्वाज ने उदयपुर सौर वेधशाला में स्थापित उन्नत तकनीकी युक्त सौर दूरबीनों (जैसे – MAST (मास्ट), GONG (गोंग), E- Callisto (ई-कैलिस्टो) एवं विशेष रूप से भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला द्वारा निर्मित चंद्रयान – 2 के साथ भेजें गए XSM (एक्सएसएम) पेलोड जो कि सूक्ष्म सौर प्रज्वाल के अध्ययन में उपयोगी भूमिका निभा रहा हैं, पर चर्चा की। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि श्री ए एस किरण कुमार ने अपने उद्घाटन अभिभाषण में इस बात पर बल दिया कि वैज्ञानिक प्रेक्षणों – सूचनाओं के साथ नवीन तकनीकों जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence), मशीन लर्निंग के द्वारा शोध के नये आयाम एवं नये परिणाम प्राप्त किये जा सकते हैं। तथा उन्होंने इसके लिए देश में सक्षम वातावरण की आवश्यकता पर बल दिया। अंत मे उन्होंने इस कार्यशाला के माध्यम से वैज्ञानिकों को आगामी सौर मिशन की रूपरेखा तैयार करने के लिए प्रेरित किया।

सौर भौतिक कार्यशाला [यूएसपीडब्ल्यू - 2023] के दूसरे दिन, देश भर के विभिन्न शोधकर्ताओं ने उन अवलोकनों को समझने के लिए सौर अवलोकनों और कंप्यूटर सिमुलेशन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की । इन विषयों पर कई प्रस्तुतियां दी गईं, जिसके बाद भारत के भविष्य के अंतरिक्ष सौर मिशनों पर चर्चा की गई। विभिन्न सौर परिघटनाओं को समझने के लिए भारत की क्षमताओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस संबंध में आगामी आदित्य-एल 1 मिशन पर उदयपुर सौर वेधशाला में स्थित ई-कैलिस्टो उपकरण और भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद से एएसपीईएक्स (ASPEX) उपकरण से भू-आधारित रेडियो प्रेक्षणों पर विशेष ध्यान दिया गया। सूर्य पर होने वाली विभिन्न प्रक्रियाओं में चुंबकीय क्षेत्र की भूमिका को समझने के लिए उदयपुर सौर वेधशाला, आईआईएसईआर कोलकाता और आईआईटी इंदौर में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न संख्यात्मक मॉडलों पर चर्चा की गई। सत्र के द्वितीय चरण में कोडाइकनाल, तमिलनाडु में स्थित कोडाइकनाल वेधशाला और उदयपुर सौर वेधशाला, उदयपुर, राजस्थान में स्थित मल्टी एप्लीकेशन सोलर टेलीस्कोप (एमएएसटी) से सौर टिप्पणियों पर चर्चा की गई। इस दौरान भारत की आगामी जमीन आधारित अवलोकन सुविधाओं मुख्यतः जम्मू और कश्मीर के मेराक में पोंगोंग झील स्थल पर राष्ट्रीय विपुल सौर टेलीस्कोप (एनएलएसटी) और उदयपुर सौर वेधशाला, उदयपुर में वाइड-बैंड सोलर रेडियो स्पेक्ट्रोग्राफ (डब्ल्यूबीएसआरएस) को भी विशेष महत्व दिया गया । कार्यशाला का दूसरा दिन उदयपुर सौर वेधशाला, उदयपुर, राजस्थान में सभी प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों और शोध विद्वानों की विभिन्न अवलोकन सुविधाओं के दौरे के साथ समाप्त हुआ।

उदयपुर सौर भौतिकी कार्यशाला [यूएसपीडब्ल्यू-2023] के समापन दिवस पर, आगामी आदित्य-एल 1 पेलोड वीईएलसी, सूट, एएसपीईएक्स, पापा, और मैग पर ध्यान केंद्रित किया गया इन पेलोड के विभिन्न प्रमुख और सह-प्रमुख जांचकर्ताओं ने अपने वैज्ञानिक उद्देश्य और उपकरण क्षमताओं पर चर्चा की। सत्र के अंत में, सौर भौतिकी समुदाय की संभावित अवलोकन संबंधी आवश्यकताओं पर गहन चर्चा की गई और यह निर्णय लिया गया कि प्रतिनिधि आपसी सहमति से एक निश्चित समय सीमा के भीतर एक विजन डॉक्यूमेंट तैयार करेंगे, जिसे निदेशक, भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला को प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यशाला का समापन भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला के निदेशक प्रोफेसर अनिल भारद्वाज ने सौर भौतिकी समुदाय को आदित्य-एल1 मिशन के प्रक्षेपण और एल1 कक्षा में प्रवेश के बीच के समय में अधिमानतः एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित करने के प्रोत्साहन के साथ किया ।

कार्यशाला की झलकियां

हिंदी कार्यशाला (अप्रैल- सितंबर 2023)

सौजन्य: रुमकी दत्ता

राजभाषा नियमों के अनुसार प्रत्येक तिमाही में हिंदी कार्यशाला की जाती है। अतः अप्रैल – जून 2023 (सभी परिसरों के लिए) तिमाही के लिए "राजभाषा नियमावली एवं राजभाषा संबंधी प्रोत्साहन योजनाएं" से संबंधित विषय में प्रशासनिक एवं वैज्ञानिक क्षेत्र के प्रधान, उप-प्रधान, वरिष्ठ प्रोफेसर को प्रशिक्षण दिया गया। यह ऑनलाइन कार्यशाला शुक्रवार, 16 जून, 2023 को सम्पूर्ण हुई। चूंकि यह वर्ष 2023-24 की प्रथम कार्यशाला थी तो इसमें बहुत ही महत्वपूर्ण विषय लिए गए जिसमें वार्षिक कार्यक्रम- 2023-24, प्रशिक्षण संबंधी निर्देश, राजभाषा नियमावली, प्रोत्साहन योजनाएं इत्यादि विस्तृत रूप से समाहित थे। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. आर.डी. देशपांडे, रजिस्ट्रार, पीआरएल उपस्थित रहे एवं इस कार्यशाला की वक्ता श्रीमती रुमकी दत्ता, सहायक निदेशक (रा.भा.) थी।

सदस्यों की सूची:

क्रमांक	नाम	पदनाम
1.	श्री आनंद दिनेश मेहता	प्रधान, कार्मिक एवं सामान्य प्रशासन
2.	डॉ. अभिजीत चक्रबर्ती	वरिष्ठ प्रोफेसर एवं प्रधान, ए एण्ड ए
3.	डॉ. संतोष वडवाले	प्रोफेसर एवं उप प्रधान-1, ए एण्ड ए
4.	डॉ. सचिन्द्र नाईक	प्रोफेसर एवं उप प्रधान-2, ए एण्ड ए
5.	डॉ. आर.पी. सिंह	वरिष्ठ प्रोफेसर एवं प्रधान, एएमओपीएच
6.	डॉ. गौतम कुमार सामंता	प्रोफेसर एवं उप प्रधान-1, एएमओपीएच
7.	डॉ. बिजया कुमार साहू	प्रोफेसर एवं उप प्रधान-2, एएमओपीएच
8.	श्री जिगरभाई ए. रावल	वैज्ञानिक/इंजीनियर- एस.एफ. एवं प्रधान सीएनआईटी समूह
9.	श्री तेजस नरेंद्र सरवैया	वैज्ञानिक/इंजीनियर- एस.एफ. एवं उप प्रधान सीएनआईटी समूह
10.	श्री संजय एस. वैरागड़े	वैज्ञानिक/इंजीनियर- एस.एफ. एवं प्रधान, सीएमजी
11.	डॉ. समीर वी. दाणी	चिकित्सा अधिकारी एस.एफ. एवं प्रधान, चिकित्सालय
12.	डॉ. संजीव कुमार	प्रोफेसर एवं प्रधान, जीएसडीएन
13.	डॉ. ए.डी. शुक्ला	प्रोफेसर एवं उप प्रधान-1, जीएसडीएन
14.	डॉ. नीरज रस्तोगी	प्रोफेसर एवं उप प्रधान-2, जीएसडीएन

15.	डॉ. निष्ठा अनिलकुमार	पुस्तकालय अधिकारी-एफ एवं प्रधान, पुस्तकालय एवं सूचना सेवाएं
16.	डॉ. वरुण शील	वरिष्ठ प्रोफेसर एवं प्रधान, पीएसडीएन
17.	डॉ. एम. षण्मुगम	वैज्ञानिक/इंजीनियर- एस.एफ. एवं उप प्रधान-1, पीएसडीएन
18.	डॉ. देबब्रत बनर्जी	प्रोफेसर एवं उप प्रधान-2, पीएसडीएन
19.	श्री हेमल दीपककुमार शाह	प्रधान, क्रय एवं भंडार
20.	डॉ. दिब्येंदु चक्रबर्ती	प्रोफेसर एवं प्रधान, एसपीएएससी
21.	डॉ. लोकेश कुमार साहू	प्रोफेसर एवं उप प्रधान-1, एसपीएएससी
22.	डॉ. सोम कुमार शर्मा	प्रोफेसर एवं उप प्रधान-2, एसपीएएससी
23.	डॉ. श्रुबाबती गोस्वामी	वरिष्ठ प्रोफेसर एवं प्रधान, टीएचईपीएच
24.	डॉ. नमित महाजन	प्रोफेसर एवं उप प्रधान-1, टीएचईपीएच
25.	डॉ. पार्थ कोणार	प्रोफेसर एवं उप प्रधान-2, टीएचईपीएच
26.	डॉ. षिबू के. मैथ्यू	वरिष्ठ प्रोफेसर एवं प्रधान, यूएसओ
27.	डॉ. भुवन जोशी	प्रोफेसर एवं उप प्रधान-1, यूएसओ
28.	डॉ. रमित भट्टाचार्य	प्रोफेसर एवं उप प्रधान-2, यूएसओ
29.	श्री एच.आर. वाघेला	वैज्ञानिक/इंजीनियर- एस.एफ. एवं प्रधान, कार्यशाला
30.	डॉ. शशिकिरण गणेश	प्रोफेसर एवं उप प्रभारी, माउंट आबू वेधशाला
31.	डॉ. राजा बायन्ना	वैज्ञानिक/इंजीनियर- एस.एफ. एवं उप प्रभारी, यूएसओ द्वीप वेधशाला
32.	डॉ. मुदित कुमार श्रीवास्तव	एसोसिएट प्रोफेसर एवं उप प्रधान-1, पीपीईजी
33.	डॉ. अरविंद सिंह	एसोसिएट प्रोफेसर एवं उप प्रधान-2, पीपीईजी
34.	डॉ. नरेंद्र ओझा	असिस्टेंट प्रोफेसर एवं उप प्रधान-3, पीपीईजी
35.	डॉ. एम.जी. यादव	प्रोफेसर
36.	डॉ. एस. रामचन्द्रन	वरिष्ठ प्रोफेसर
37.	डॉ. नविंदर सिंह	प्रोफेसर
38.	डॉ. (श्रीमती) नंदिता श्रीवास्तव	वरिष्ठ प्रोफेसर
39.	डॉ. डी. पल्लमराजू	वरिष्ठ प्रोफेसर एवं डीन
40.	श्रीमती चंद्रम्मा ए.	प्रधान, लेखा/ आ.वि.स.
41.	श्री के.के. शशि कुमार	वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

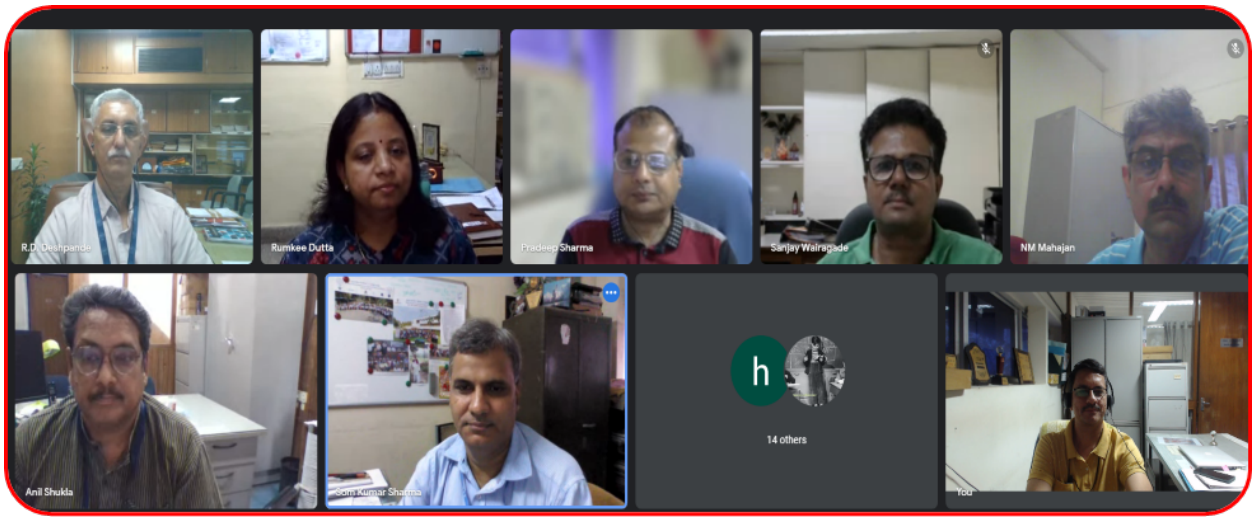

कार्यशाला की झलक:

जुलाई-सितंबर 2023 (सभी परिसरों के लिए) तिमाही के लिए "राजभाषा नियमावली, संवैधानिक प्रावधान एवं वार्षिक कार्यक्रम- 2023-24" से संबंधित विषय में सभी सहायक/वरिष्ठ सहायक/वरिष्ठ परियोजना सहायक/वरिष्ठ परियोजना अटेंडेंट/जे.पी.ए. एवं सभी प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यशाला में बहुत ही महत्वपूर्ण विषय लिए गए जिसमें वार्षिक कार्यक्रम- 2023-24, प्रशिक्षण संबंधी निर्देश, राजभाषा नियमावली, संविधान के अनुच्छेद 343-351 में निहित नियम इत्यादि विस्तृत रूप से समाहित थे। कार्यशाला की वक्ता श्रीमती रुमकी दत्ता, सहायक निदेशक (रा.भा.) थी।

प्लेटिनम जयंती
1947 2022
PLATINUM JUBILEE

राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह

सौजन्य: प्रदीप कुमार शर्मा

भारत में हर साल 14 अप्रैल से 20 अप्रैल, 2023 तक राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह मनाया जाता है। यह उन बहादुर अग्निशामकों को श्रद्धांजलि देने के लिए मनाया जाता है, जिन्होंने 14 अप्रैल, 1944 को अपने कर्तव्य के दौरान अपने जीवन का बलिदान दिया था। उद्योग इस दिन/सप्ताह को अग्निशमन सेवा दिवस/सप्ताह के रूप में मनाते हैं और आपात स्थिति से निपटने की तैयारी प्रदर्शित करने के लिए प्रशिक्षण, अभ्यास और रिहर्सल आयोजित करते हैं।

1. कार्यक्रम: पीआरएल मुख्य परिसर में अग्नि घटना/दुर्घटना परिदृश्य

अग्निशमन सेवा सप्ताह के एक भाग के रूप में और पीआरएल सदस्यों को संवेदनशील बनाने की जीवन शक्ति पर विचार करते हुए, मंगलवार, 18 अप्रैल, 2023 को पीआरएल मुख्य परिसर में अग्नि घटना/दुर्घटना परिदृश्य पर एक मॉक ड्रिल सिम्युलेटेड प्रशिक्षण आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम में श्री. सीआईएसएफ के इंस्पेक्टर रमेश कुमार ने अग्नि के विभिन्न प्रकार, कारण और अग्नि से संबंधित रोकथाम के कारकों के बारे में बताया। उन्होंने परिसर में उपयोग किए जाने वाले अग्निशामक यंत्रों के प्रकार और आग के प्रकार के अनुसार उनकी प्रयोज्यता के बारे में भी बताया।

सीआईएसएफ टीम द्वारा आग पर काबू पाने और आस-पास के लोगों और सामग्रियों को बचाने के लिए इन बुझाने वाले यंत्रों का उपयोग करने का व्यावहारिक प्रदर्शन भी दिया गया। उक्त कार्यक्रम में कुल 103 पीआरएल सदस्यों ने भाग लिया। समग्र कार्यक्रम इंटरैक्टिव और जानकारीपूर्ण था। डेमोंस्ट्रेशन के दौरान प्रोफेसर अनिल भारद्वाज, निदेशक, पीआरएल, प्रोफेसर आर.डी. देशपांडे, रजिस्ट्रार. पीआरएल, प्रोफेसर रवि भूषण, अध्यक्ष सेफ्टी एंड सिक्यूरिटी समिति उपस्थित थे। उन्होंने सभा को संबोधित किया और डेमोंस्ट्रेशन में भाग लिया।

2. कार्यक्रम: पीआरएल थलतेज परिसर में अग्नि घटना/दुर्घटना परिदृश्य पर

पीआरएल सदस्यों को संवेदनशील बनाने की महत्ता को ध्यान में रखते हुए और अग्निशमन सेवा सप्ताह के एक भाग के रूप में, बुधवार, 3 मई, 2023 को पीआरएल थलतेज परिसर में अग्नि घटना/दुर्घटना परिदृश्य पर एक मॉक ड्रिल सिम्युलेटेड प्रशिक्षण आयोजित किया गया था।

श्री. सीआईएसएफ के इंस्पेक्टर रमेश कुमार ने अग्नि के विभिन्न प्रकार, कारण और अग्नि से संबंधित रोकथाम के कारकों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने परिसर में उपयोग किए जाने वाले अग्निशामक यंत्रों के प्रकार और आग के प्रकार के अनुसार उनकी प्रयोज्यता के बारे में भी बताया।

सीआईएसएफ टीम द्वारा आग पर काबू पाने और आस-पास के लोगों और सामग्रियों को बचाने के लिए इन बुझाने वाले यंत्रों का उपयोग करने का व्यावहारिक प्रदर्शन भी दिया गया। उक्त कार्यक्रम में कुल 58 पीआरएल सदस्यों ने भाग लिया। समग्र कार्यक्रम परस्पर संवादात्मक और जानकारीपूर्ण था।

राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह की झलकियां

पीआरएल क्रिकेट लीग - 2023 (पीसीएल-2023)

सौजन्य: आ.का.अ.म. स.

भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद ने आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत 22 अप्रैल से 30 अप्रैल 2023 तक पहला "इंटर-एरिया/डिवीजन क्रिकेट टूर्नामेंट - पीआरएल क्रिकेट लीग-2023 (पीसीएल-2023)" आयोजित किया। इस टूर्नामेंट में कुल सात 7 टीमों (यानी पीएसडीएन, एएसटीएएस, एसपीएएससी, जीएसडीएन, एएमओपीएच, टीएचईपीएच, और [एडमिन + सर्विसेज]) ने भाग लिया। टूर्नामेंट की शुरुआत 22 अप्रैल 2023 को एक संक्षिप्त लेकिन मनोरंजक उद्घाटन कार्यक्रम के साथ हुई, जिसके बाद निदेशक की टीम और डीन की टीम के बीच एक दोस्ताना मैच हुआ। उद्घाटन समारोह में निदेशक, पीआरएल द्वारा केक काटा गया। इस दौरान प्रो. अनिल भारद्वाज (निदेशक, पीआरएल), प्रो. डी. पल्लमराजू (डीन, पीआरएल) और प्रो. रवि भूषण को क्रिकेट जर्सी से सम्मानित किया गया।

प्रो. रवि भूषण को उनके उत्कृष्ट दर्शन, समर्पण और पीआरएल खेल गतिविधियों में योगदान के लिए आजीवन उपलब्धि पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

उद्घाटन कार्यक्रम के बाद निदेशक, पीआरएल ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं और उन्हें खेल भावना के साथ खेलने के लिए प्रोत्साहित किया और फिर निदेशक और डीन की टीमों के बीच एक दोस्ताना मैच हुआ। निदेशक की टीम मैच के विजेता बने।

लीग और नॉकआउट मैच 23 अप्रैल से 29 अप्रैल 2023 तक खेले गए। लीग मैचों के पूरा होने के बाद एएमओपीएच, जीएसडीएन, एएसटीएएस, और एसपीएएससी की टीमों ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया जो 29 अप्रैल 2023 को खेले गए थे।

पीआरएल क्रिकेट लीग का फाइनल 30 अप्रैल 2023 को स्पेस शार्क्स (एसपीएएससी) और जीएसडीएन थंडरिंग अर्थ के बीच खेला गया था। प्रो. अनिल भारद्वाज (निदेशक, पीआरएल), प्रो. डी. पल्लमराजू (डीन, पीआरएल) और पीआरएल सदस्य इस रोमांचक कार्यक्रम के साक्षी बने। मैच से ठीक पहले, निदेशक, पीआरएल ने पिछले सभी मैचों के अलग-अलग विजेताओं को मैन ऑफ द मैच ट्राफी से पुरस्कृत किया।

फाइनल मैच काफी रोमांचक था, जो नाटक, उत्साह और दिलचस्प समापन से भरपूर था। खेल अंतिम गेंद तक चला, स्कोर टाई हो गया और सुपर ओवर खेलकर परिणाम तय करना पड़ा। अंत में, जीएसडीएन थंडरिंग अर्थ ने प्रथम पीआरएल क्रिकेट लीग टूर्नामेंट जीता। इस लिंक के माध्यम से सभी मैचों का विवरण देखा जा सकता है।

हालाँकि, दोनों टीमों के उत्कृष्ट प्रदर्शन और प्रतिस्पर्धी भावना को स्वीकार करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने अपने दिल से खेला और दर्शकों को अविस्मरणीय अनुभव दिया, जो सही अर्थ में फाइनल के योग्य हुआ। खिलाड़ियों ने जिस उत्साह और खेल भावना का परिचय दिया है वह प्रशंसनीय है।

जीएसडीएन थंडरिंग अर्थ (भू-विज्ञान प्रभाग) को खिताब जीतने के लिए और उपविजेता के लिए स्पेस शार्क्स (अंतरिक्ष एवं वायुमंडलीय प्रभाग) को हमारी हार्दिक बधाई। साथ ही, सभी भिन्न-भिन्न मैच और टूर्नामेंट पुरस्कार विजेताओं को उनके असाधारण प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं।

हम सभी प्रतिभागियों और विजेताओं को बधाई देते हैं और सफलता की ओर उनकी यात्रा का समर्थन जारी रखने की आशा करते हैं।

हम इस टूर्नामेंट को सफल बनाने के लिए दर्शकों की सक्रिय भागीदारी, भाग लेने वाली टीमों, अंपायरों, क्रय विभाग, सीएमजी, पीआरएल डिस्पेंसरी और कैंटीन सेवाओं की सराहना करते हैं। टूर्नामेंट के लिए मैदान में आवश्यक व्यवस्था करने के लिए आयोजन समिति सीएमजी की आभारी है।

अंत में, हम निदेशक, पीआरएल, डीन, पीआरएल, अध्यक्ष, आ.का.अ.म. समिति एवं प्रो. रवि भूषण को उद्घाटन और फाइनल में उनकी उपस्थिति के लिए और आयोजन टीम के प्रत्येक सदस्य को उनके सक्रिय समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहते हैं।

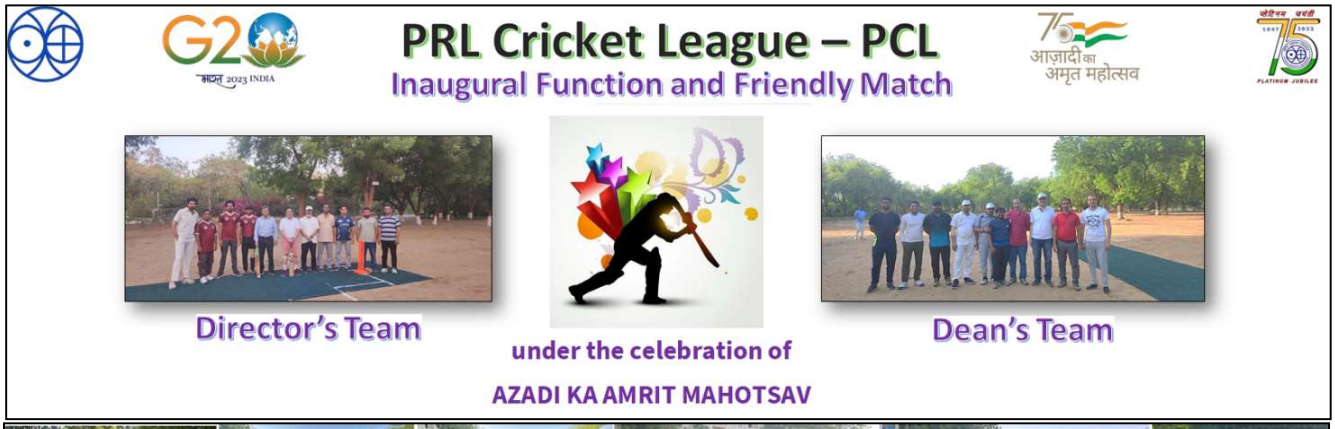

टूर्नामेंट की कुछ झलकियाँ

डॉ. बी.आर. अम्बेडकर जयंती समारोह

सौजन्य: पीआरएल रिजर्व्ड क्लास एम्प्लॉईस एसोसियशन

दिनांक 04 मई, 2023 को उदयपुर सौर वेधशाला/भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, उदयपुर में डॉ. बी.आर.अम्बेडकर जयंती के एक भाग के रूप में समारोह का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम हाईब्रिड मोड में आयोजित किया गया। कार्यक्रम उ.सौ.वे./पीआरएल, उदयपुर परिसर में भौतिक मोड में आयोजित किया गया और अन्य सभी तीन पीआरएल परिसरों के सदस्य इसमें ऑनलाइन शामिल हुए।

उक्त अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में डॉ. टी सी डामोर, आईपीएस - 1994 बैच, पूर्व एस.पी. - चित्तौड़गढ़, राजस्थान, पूर्व आईजी - भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, पूर्व आईजी - उदयपुर, पूर्व कुलपति (प्रथम कुलपति) - राजीव गांधी जनजातीय विश्वविद्यालय, उदयपुर को सादर आमंत्रित किया गया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. टी सी डामोर ने "राष्ट्र निर्माण में डॉ. बी आर अम्बेडकर का योगदान " विषय पर एक लोकप्रिय व्याख्यान भी दिया।

कार्यक्रम का संचालन उ.सौ.वे./पीआरएल के प्रोफेसर भुवन जोशी, द्वारा किया गया। डॉ. रमित भट्टाचार्य, प्रोफेसर, उ.सौ.वे./पीआरएल ने मुख्य अतिथि को फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत किया। इसके बाद, निदेशक महोदय, पीआरएल द्वारा उद्घाटन अभिभाषण दिया गया | निदेशक महोदय, पीआरएल के उद्घाटन अभिभाषण के पश्चात् श्रीमती हर्षा परमार, वरिष्ठ परियोजना सहायक, पीआरएल ने मुख्य अतिथि डॉ. टी सी डामोर का परिचय दिया और उनकी उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी।

मुख्य अतिथि डॉ. टी. सी. डामोर ने डॉ. बी.आर.अम्बेडकर के राष्ट्र निर्माण में योगदान को संक्षेप में आम आदमी की भाषा में श्रोताओं के समक्ष प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने व्याख्यान के दौरान डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के जीवन चक्र और उनके सामने आई विभिन्न चुनौतियों पर भी श्रोताओं का ध्यान आकर्षित किया। इसके अलावा, उन्होंने महिला सशक्तीकरण, सभी के लिए शिक्षा, भूमि सुधार आदि में डॉ. अम्बेडकर के योगदान पर ध्यान केंद्रित किया, जिसकी सार्वजनिक कार्यक्षेत्र में शायद ही कभी चर्चा की जाती है। व्याख्यान के पश्चात उपरोक्त विषय पर एक बहुत ही उपयोगी प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया, जिसने प्रतिभागियों के लिए इस कार्यक्रम को और भी दिलचस्प एवं ज्ञानवर्धक बना दिया।

प्रश्नोत्तर सत्र के बाद प्रधान, उ.सौ.वे./पीआरएल ने मुख्य अतिथि को एक स्मृति चिन्ह भेंट किया। कार्यक्रम का समापन उ.सौ.वे./पीआरएल के प्रशासनिक अधिकारी श्री अभिषेक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन देकर किया गया।उक्त अवसर पर अतिथि व्याख्यान के बाद माननीय मुख्य अतिथि एवं यूएसओ/पीआरएल, उदयपुर के स्टाफ सदस्यों द्वारा उदयपुर सौर वेधशाला की कैंटीन के पास उद्यान क्षेत्र में वृक्षारोपण भी किया गया।

समारोह की झलकियां

विश्व पर्यावरण दिवस - LiFE अभियान - शपथ ग्रहण

सौजन्य: आ.का.अ.म. स.

भारत सरकार के अंतरिक्ष विभाग के निर्देश के अनुसार, 5 जून, 2023 को विश्व पर्यावरण दिवस पर केंद्र सरकार/विभागों/राज्य सरकारों/प्रशिक्षण संस्थानों के सभी कर्मचारियों को LiFE अभियान की शपथ ग्रहण करने का परामर्श दिया गया था।

पीआरएल सदस्यों ने सोमवार, 5 जून, 2023 को 1100 बजे अपने-अपने कार्य स्थल पर LiFE अभियान की शपथ ग्रहण करके विश्व पर्यावरण दिवस मनाया।

इसके अंतर्गत, DoPT e-HRMS (https://e-hrms.gov.in) में एक प्रावधान सक्षम किया था जिससे केंद्र/ राज्य सरकार के कर्मचारियों को LiFE शपथ ऑनलाइन लेने और उनके प्रमाणपत्र डाउनलोड करने की सुविधा मिल सके।

इस अवसर को चिन्हित करने के लिए निदेशक, पीआरएल, डीन पीआरएल, रजिस्ट्रार, पीआरएल और अन्य पीआरएल सदस्यों द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

LIFE अभियान की कुछ तस्वीरें

उच्च निष्पादन कंप्यूटिंग सिस्टम (एचपीसी) पर उपयोगकर्ताओं के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

सौजन्य: जिगर रावल

1. दिनांक: 07/जून/2023 - एचपीसी उपयोगकर्ता के लिए प्रशिक्षण

कंप्यूटर नेटवर्किंग और सूचना प्रौद्योगिकी (CNIT) प्रभाग द्वारा 07-जून-2023 को उच्च निष्पादन कंप्यूटिंग (HPC) सुविधा के उपयोगकर्ताओं के लिए एक प्रशिक्षण सत्र की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वर्तमान और संभावित उपयोगकर्ताओं को पीआरएल की नई ~1 (PetaFlops) PF एचपीसी प्रणाली से परिचित कराना था। प्रशिक्षण कार्यक्रम में नई एचपीसी संरचना, उपलब्ध उपकरण और सॉफ्टवेयर, कार्य का समय-निर्धारण और संसाधन प्रबंधन – स्लर्म, नए एचपीसी सिस्टम पर कार्य प्रबंधन के विषय में बताया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में सक्रिय शिक्षण और जुड़ाव सुनिश्चित करने के लिए वार्ताएं, प्रत्यक्ष प्रदर्शन और संवादात्मक चर्चा की गई। प्रशिक्षण में पीआरएल के विभिन्न प्रभागों/अनुभागों से लगभग 75 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों द्वारा प्रशिक्षण की अत्यंत सराहना की गई।

प्रशिक्षण की कुछ तस्वीरें

2. दिनांक: 08/जून/2023 - एचपीसी प्रणाली प्रशासन और निगरानी प्रशिक्षण

कंप्यूटर नेटवर्किंग और सूचना प्रौद्योगिकी (सीएनआईटी) प्रभाग ने 07-08 जून 2023 को नव निर्मित उच्च निष्पादन कंप्यूटिंग (एचपीसी) प्रणाली के लिए सीएनआईटी और सीएमजी सदस्यों के लिए एक प्रशिक्षण सत्र की व्यवस्था की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सीएनआईटी प्रबंधन टीम के सदस्यों को नई ~1 (PetaFlops) PF एचपीसी प्रणाली से परिचित कराना था। प्रशिक्षण कार्यक्रम में नई एचपीसी संरचना, प्रणाली प्रशासान, और निर्बाध बिजली आपूर्ति (यूपीएस), डीजल जनरेटर और कूलिंग सिस्टम जैसे एचपीसी बुनियादी ढांचे के प्रबंधन के विषय में बताया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में दिन-प्रतिदिन के प्रणाली प्रशासन कार्यों और एचपीसी के अन्य महत्वपूर्ण प्रबंधन पहलुओं के बारे में बताया गया। प्रशिक्षण में सीएनआईटी प्रभाग और सीएमजी के 15 सदस्यों ने भाग लिया।

सीएमजी टीम के सदस्यों ने पावर कनेक्टिविटी, यूपीएस, डीजी और कूलिंग प्रणाली के विभिन्न परिचालन पहलुओं पर चर्चा की। सीएनआईटी टीम के सदस्यों ने दिन-प्रतिदिन के प्रणाली प्रशासन कार्यों और एचपीसी निगरानी पर चर्चा की।

सीएनआईटी टीम और एचपीसी समिति निदेशक, पीआरएल, रजिस्ट्रार, पीआरएल, डीन, पीआरएल, अध्यक्ष, कंप्यूटर समिति और सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार प्रकट करती है।

.

प्लेटिनम जयंती

1947 2022

PLATINUM JUBILEE

"स्वास्थ्य-सूत्र - "मेरा स्वास्थ्य-मेरी ज़िम्मेदारी"

सौजन्य: डॉ शीतल एच पटेल

15 जून 2023 को "विश्व रक्तदाता दिवस" के उपलक्ष्य में पीआरएल नवरंगपुरा डिस्पेंसरी में आयोजित रक्तदान शिविर सफल रही। कार्यक्रम का आयोजन आजादी का अमृत महोत्सव समिति द्वारा डॉ. जीवराज मेहता स्मारक हेल्थ फाउंडेशन के सहयोग से किया गया था। रक्तदान शिविर में उत्साहवर्धक प्रतिक्रिया देखी गई, जिसमें प्रोफेसर अनिल भारद्वाज, निदेशक, पीआरएल, प्रोफेसर आर.डी. देशपांडे, रजिस्ट्रार, पीआरएल, संकाय सदस्यों, स्टाफ सदस्यों और बड़ी संख्या में छात्रों सहित कुल 50 प्रतिभागी रक्त दान करने हेतु शामिल हुए।

स्वैच्छिक रक्तदान का निस्वार्थ कार्य करुणा, सहानुभूति और दूसरों की भलाई के लिए वास्तविक चिंता का उदाहरण है। हमें प्रत्येक दानदाता पर बेहद गर्व है जिन्होंने इस नेक काम में अपना बहुमूल्य योगदान दिया। हम सभी प्रतिभागियों को उनके अटूट समर्थन और उत्साह के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहते हैं। दयालुता और एकजुटता के ऐसे कार्यों के माध्यम से ही हम एक स्वस्थ और अधिक देखभाल करने वाला समाज बना सकते हैं।

हम आयोजकों, पीआरएल डिस्पेंसरी टीम और डॉ. जीवराज मेहता स्मारक हेल्थ फाउंडेशन के चिकित्सा व्यवसायी के प्रति भी अपनी हार्दिक सराहना व्यक्त करते हैं जिन्होंने रक्तदान शिविर के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास किया।

आइए हम परोपकार की भावना को कायम रखें और स्वैच्छिक रक्तदान के महत्व को बढ़ावा दें।

रक्तदान शिविर की कुछ तस्वीरें

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2023 समारोह

सौजन्य: आ.का.अ.म. स.

1. कार्यक्रम: पीआरएल मुख्य परिसर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2023 समारोह

आजादी का अमृत महोत्सव के एक भाग के रूप में, 9वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (IDY -2023) 21 जून 2023 (बुधवार) को पीआरएल लाइब्रेरी लॉन में मनाया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत में श्री. प्रदीप कुमार शर्मा, संयोजक, आ.का.अ.म. समिति ने योग प्रशिक्षक श्रीमती प्रीति अयंगर, पंजीकृत योग शिक्षक और श्री वी. रंगनाथन, 35 वर्षों से योग अभ्यासकर्ता, का संक्षिप्त परिचय दिया।

प्रोफेसर. अनिल भारद्वाज, निदेशक, पीआरएल ने योग प्रशिक्षकों को तुलसी का पौंधा देकर स्वागत किया। प्रोफेसर लोकेश कुमार साहू, अध्यक्ष, आ.का.अ.म. समिति सम्मान समारोह में शामिल हुए।

श्री वी. रंगनाथन ने सत्र की शुरुआत में योग करने के लिए शरीर को लचीला बनाने के लिए योग से पहले वार्मअप व्यायाम के लाभों को समझाया। श्रीमती प्रीति अयंगर ने वार्म-अप व्यायाम का व्यावहारिक प्रदर्शन किया। श्री वी. रंगनाथन ने योग स्थितियों के प्रकार यानी खड़े होने की मुद्रा, बैठने की मुद्रा और लेटने की मुद्रा के बारे में बताया। इसके बाद, श्रीमती प्रीति अयंगर ने ताड़ासन, पवन-मुक्तासन, पद्मासन, वज्रासन आदि जैसे विभिन्न आसनों का चरणबद्ध व्यावहारिक प्रदर्शन किया। सभी सदस्यों ने बैठकर, खड़े होकर और लेटकर किए जाने वाले आसनों का अभ्यास और प्रदर्शन किया, साथ ही में इनके महत्व से भी अवगत कराया गया। श्रीमती प्रीति अयंगर ने सभी को फिट रहने और एकाग्रता में सुधार के लिए नियमित योग करने के लिए प्रोत्साहित किया।

योग सत्र के बाद, आ.का.अ.म. के अंतर्गत योग प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों को बॉक्स से एक पर्ची का चयन करना था और पर्ची में उल्लिखित आसन का प्रदर्शन करना था। उक्त प्रतियोगिता में कुल 30 की संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की झलकियाँ

परिणाम	प्रतिभागियों के नाम
प्रथम	श्री ऐ शिवम्
	श्री अंकित कुमार
द्वितीय	सुश्री मेघना सोनी
	श्रीमती हर्षा परमार
तृतीय	श्री शांतनु कुमार पांडा
	श्रीमती संगीता वर्मा
प्रोत्साहन	श्रीमती चंद्रम्मा ऐ
	श्री क्षितिज उपाध्याय

आयोजित योग प्रतियोगिता का परिणाम

2. कार्यक्रम: पीआरएल उदयपुर सौर वेधशाला में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2023 समारोह

9वीं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 21 जून, 2023 को उदयपुर सौर वेधशाला/भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, उदयपुर में एक योग अभ्यास/प्रदर्शन सत्र का आयोजन किया गया| आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के आर्कटिक से अंटार्टिका तक योग के लक्ष्य के अंतर्गत एक विशाल भौगोलिक सीमा में योग प्रदर्शन आयोजित करने के उद्देश्य से उदयपुर सौर वेधशाला / भौतिक अनुसन्धान प्रयोगशाला द्वारा फतेहसागर झील के मध्य में टापू पर अवस्थित वेधशाला के प्रांगण में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया | यह पहला अवसर था जब फतेहसागर झील के मध्य में योग अभ्यास का आयोजन किया गया |

इस अवसर पर प्रख्यात योग प्रशिक्षका डॉ. शुभा सुराणा एवं उनकी टीम द्वारा योग के महत्व को बताया गया एवं इसका जीवंत अभ्यास भी कराया गया | इस आयोजन में उदयपुर सौर वेधशाला/भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, उदयपुर के सदस्यों एवं उनके परिवारजनों ने प्रतिभागिता की एवं योग का अभ्यास किया | डॉ. सुराणा ने कुछ सरल योगाभ्यास जैसे ताड़ासन, वज्रासन, चक्रासन आदि एवं प्राणायाम की भूमिका को अपने सहयोगी के कुछ प्रदर्शनों के साथ प्रस्तुत किया एवं दैनिक जीवन में योग के महत्व और लाभ से अवगत कराया। उन्होंने विभिन्न आसनों को प्रतिभागियों द्वारा लाइव अभ्यास भी करवाया | डॉ. सुराणा ने विभिन्न बिमारियों में योग के फायदे से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया | कार्यक्रम के अंत में एक योग प्रतियोगिता का भी आयोजन कराया गया एवं इस प्रतियोगिता के विजेताओं को आगामी स्वतंत्रता दिवस समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा |

कार्यक्रम की झलकियाँ

क्रमांक सं.	विजेताओं के नाम	परिणाम
1.	सुश्री बिनल पटेल	प्रथम
2.	श्री नंदकिशोर तेली	द्वितीय
3.	सुश्री बैरेड्डी रम्या	तृतीय
4.	श्री रवि चौरसिया	सांत्वना
5.	सुश्री अनन्या रावत	सांत्वना
6.	श्री संदीप दुबे	सांत्वना
7.	श्री महेंद्र कुमार	सांत्वना

आयोजित योग प्रतियोगिता का परिणाम

3. कार्यक्रम: पीआरएल माउंट आबू में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2023 समारोह

9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग दिवस का अयोजन किया गया, साथ ही आत्मरक्षा के गुर भी सिखाए गयें।

कार्यक्रम की झलकियाँ

परम विक्रम-1000 1 PF उच्च निष्पादन कंप्यूटिंग (एचपीसी) सुविधा का उद्घाटन

सौजन्य: कंप्यूटर नेटवर्किंग एवं सूचना प्रौद्योगिकी प्रभाग

भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल), अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार, अहमदाबाद में हाल ही में स्थापित और संचालित नई 1 PF एचपीसी सुविधा का उद्घाटन गुरुवार, 22 जून, 2023 को श्री एस. सोमनाथ, सचिव अं.वि./अध्यक्ष इसरो द्वारा, श्री ए.एस. किरण कुमार, अध्यक्ष, पीआरएल प्रबंध परिषद (पूर्व अध्यक्ष, इसरो) और सदस्य, प्रधान मंत्री विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवप्रवर्तन सलाहकार परिषद (पीएम-एसटीआईएसी) के साथ किया गया। उद्घाटन समारोह पीआरएल के मुख्य (नवरंगपुरा) परिसर में सुबह 9:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे के दौरान आयोजित किया गया। समारोह में पीआरएल प्रबंध परिषद के सदस्य और एचपीसी सुविधा से जुड़े पीआरएल के पूर्व वैज्ञानिक और इंजीनियर उपस्थित थे।

एस. सोमनाथ, सचिव अं.वि./अध्यक्ष, इसरो ने सभा को संबोधित किया और लगभग एक वर्ष की छोटी अवधि के भीतर इस सुविधा को स्थापित करने में पीआरएल टीम के निष्ठापूर्ण और समर्पित प्रयासों और प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने इस एचपीसी सुविधा का नाम - "परम विक्रम-1000" की भी घोषणा की।

पीआरएल प्रबंध परिषद के अध्यक्ष श्री ए.एस. किरण कुमार ने अधिक चुनौतीपूर्ण वैज्ञानिक अनुसंधान समस्याओं के लिए एचपीसी सुविधा के उपयोग पर जोर दिया।

विभिन्न विषयों में कई महत्वपूर्ण मौलिक वैज्ञानिक अनुसंधान समस्याओं के समाधान में एचपीसी सुविधा के उपयोग पर वैज्ञानिक हाइलाइट्स पर पीआरएल के निम्नलिखित वैज्ञानिक और तकनीकी सदस्यों द्वारा महत्वपूर्ण प्रस्तुतियाँ भी दी गईं।

S. No.	नाम	प्रभाग	वार्ता का शीर्षक
1.	डॉ. रमितेंद्रनाथ भट्टाचार्य	यूएसओ	सौर कोरोनल क्षणिकों के चुंबकीय क्षेत्र रेखाओं के स्रोत क्षेत्र का अनुकरण
2.	डॉ. अरविंद सिंह राजपुरोहित	ए एवं ए	बहुत कम द्रव्यमान वाले तारों (एम बौने) और बाह्यग्रहों का वातावरण
3.	डॉ. नरेंद्र ओझा और डॉ. हरीश गढ़वी	एसपीएएससी	भारतीय उपमहाद्वीप पर वायुमंडलीय ट्रेस गैसों और एरोसोल का मॉडलन
4.	डॉ. पार्थ कोनार	टीएचईपीएच	एचपीसी: 100 TF से 1000 TF तक की यात्रा
5.	डॉ. वरुण शील	ग्रहीय विज्ञान प्रभाग	मंगल ग्रह और शुक्र ग्रह का जलवायु मॉडलन
6.	डॉ. अभीक सरकार	खगोल विज्ञान एवं खगोल भौतिकी	एक सिंहावलोकन: वैज्ञानिक गतिविधियाँ
7.	डॉ. ए. राजा बायन्ना	यूएसओ	सौर भौतिकी MAST अवलोकन
8.	श्री मिथुन नीलकंदन पी.एस.	खगोल विज्ञान एवं खगोल भौतिकी	खगोलभौतिकीय स्रोतों की एक्स-रे जांच के लिए उच्च निष्पादन कंप्यूटिंग
9.	डॉ. बिजया कुमार साहू	एएमओपीएच	उच्च परिशुद्धता परमाणु घड़ियाँ

परम विक्रम -1000 एचपीसी सुविधा में 108 कंप्यूटिंग नोड्स, 7296 CPU कोर, 2,76,480 GPU कोर, 74 TB रैम और 1 PB उच्च-निष्पादन समानांतर लस्टर फ़ाइल सिस्टम है। नए एचपीसी कंप्यूट नोड्स मेक इन इंडिया (भारत में निर्मित) हैं और उपयोग किए जाने वाले अधिकांश सॉफ्टवेयर ओपन सोर्स हैं। यह सैद्धांतिक उच्चतम निष्पादन (Rpeak) 1395.63 TeraFlop/s (TF) और मैक्सिमल लिनपैक निष्पादन (आरमैक्स) (Rmax) 956.34 TF प्रदान करता है। परम विक्रम-1000 एचपीसी की वेबसाइट है - https://www.prl.res.in/prl-eng/paramvikram1000

इस महत्वपूर्ण अवसर ने उन्नत माध्यम से कम्प्यूटेशनल क्षमताएं और जटिल उपकरण से अंतरिक्ष, सैद्धांतिक भौतिकी, परमाणु, आणविक और ऑप्टिकल भौतिकी, वायुमंडल, पृथ्वी, सौर, खगोल विज्ञान, ग्रह विज्ञान और भौतिकी के अन्य विविध विषयों में अत्याधुनिक मौलिक अनुसंधान को आगे बढ़ाने की पीआरएल की प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। इस एचपीसी सुविधा के उद्घाटन के साथ, पीआरएल का लक्ष्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, कम्प्यूटेशनल मॉडलन और कई अन्य क्षेत्रों में भी तेजी लाना है।

कार्यक्रम की कुछ तस्वीरें

पीआरएल में विंग कमांडर राकेश शर्मा

सौजन्य: भूषित वैष्णव

"सारे जहाँ से अच्छा".... विंग कमांडर राकेश शर्मा, अशोक चक्र (सेवानिवृत्त) पीआरएल में 80वें अमृत व्याख्यान देने के लिए पधारे थे। अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने वैज्ञानिकों/इंजीनियरों/विद्यार्थियों के समूहों और इसरो के युविका कार्यक्रम के युवा प्रतिभागियों के साथ बातचीत की। उन्होंने "भावी अंतरिक्ष अन्वेषण-एक परिप्रेक्ष्य" पर एक रोचक व्याख्यान दिया। पीआरएल परिवार, युवा विद्यार्थी, कॉलेज/विश्वविद्यालय के विद्यार्थी, सैक के वैज्ञानिक और सामान्य जन सहित लगभग 350 लोग एकत्र हुए थे। इसके अतिरिक्त, पीआरएल के यूट्यूब चैनल पर 600 से अधिक दर्शकों ने व्याख्यान को लाइव देखा। पीआरएल, विंग कमांडर राकेश शर्मा को अपना बहुमूल्य समय देने और सभी के साथ संवाद करने के लिए हार्दिक धन्यवाद देता है। यह एक यादगार, प्रेरक और प्रेरणादायक अनुभव था।

कार्यक्रम की कुछ तस्वीरें

संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप-समिति द्वारा भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल), अहमदाबाद का निरीक्षण

सौजन्य: रुमकी दत्ता

संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप-समिति द्वारा भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल), अहमदाबाद का निरीक्षण राजकोट, गुजरात में सोमवार दिनांक 10 जुलाई, 2023 को किया गया। माननीय समिति ने कार्यालय में चल रहे हिंदी के कार्यान्वयन की समीक्षा की एवं सुझाव प्रेषित किए। माननीया सांसद प्रो. रीता बहुगुणा जोशी की अध्यक्षता में यह निरीक्षण किया गया। भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला के निदेशक प्रो. अनिल भारद्वाज, प्रो. आर.डी. देशपांडे, वरिष्ठ प्रोफेसर एवं रजिस्ट्रार, प्रो. सोम कुमार शर्मा, प्रोफेसर, श्री प्रदीप कुमार शर्मा, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, श्रीमती रुमकी दत्ता, सहायक निदेशक (रा.भा.) और अंतरिक्ष विभाग की ओर से श्री लोचन सेहरा, संयुक्त सचिव, इन-स्पेस एवं डॉ. शंकर कुमार, संयुक्त निदेशक (रा.भा.) उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान संसदीय समिति द्वारा भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला में किए जा रहे हिंदी कार्यान्वयन के कार्यों की सराहना की गई एवं ध्यान देने योग्य बातों पर भी चर्चा की गई। यह निरीक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण हुआ। निदेशक महोदय ने भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला का पारंपरिक स्टोल ओढ़ाकर समिति का सम्मान किया एवं गृह-पत्रिका "विक्रम" की प्रति भेंट की। इस निरीक्षण के समापन पर रजिस्ट्रार, प्रो. आर.डी. देशपांडे द्वारा माननीय समिति का आभार ज्ञापन किया गया।

निरीक्षण कार्यक्रम की झलक: *संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप-समिति द्वारा राजकोट, गुजरात में सोमवार दिनांक 10 जुलाई, 2023 को भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल), अहमदाबाद का निरीक्षण*

GEM-COINS प्रणाली के समन्वय पर प्रतिपादन

सौजन्य: कंप्यूटर नेटवर्किंग एवं सूचना प्रौद्योगिकी प्रभाग

भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा GeM पोर्टल के माध्यम से सामग्री खरीदने के लिए दिशानिर्देश दिये गये थे। हमारे इसरो के सॉफ्टवेयर, यानी Cowaa/COINS, के साथ सामंजस्य बनाए रखने के लिए, क्रय और भंडार अनुभाग को Cowaa/COINS में क्रय से संबंधित डेटा प्रविष्टि भी करनी होती हैं।

इसरो ने IGIS (ISRO-GeM इंटरफ़ेस सिस्टम) सर्वर विकसित किया है। IGIS सर्वर COINS और GeM पोर्टल के बीच एक पुल के रूप में कार्य करता है और GeM पर जारी PO, चालान, CRAC बिल आदि को COINS में स्थानांतरण करने में मदद करता है। इससे क्रय और भंडार अनुभाग में अनावश्यक काम कम हो जाएगा, डेटा अखंडता सुनिश्चित होगी और उपयोगकर्ताओं की दक्षता और उत्पादकता में वृद्धि होगी।

आईजीआईएस सर्वर के एकीकरण और प्रतिपादन पर एक बैठक गुरुवार 13 जुलाई, 2023 को सीएनआईटी समिति कक्ष में आयोजित की गई थी। बैठक का उद्देश्य आईजीआईएस के बारे में क्रय और भंडार अनुभाग के संबंधित Cowaa/COINS उपयोगकर्ताओं को जागरूक करना था।

कार्यक्रम की तस्वीर

भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल), अहमदाबाद को राजभाषा के सर्वश्रेष्ठ कार्यान्वयन के लिए प्रथम पुरस्कार

सौजन्य: रुमकी दत्ता

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, अहमदाबाद की 81वीं बैठक डॉ. बनवारी लाल, उपाध्यक्ष नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त (टीडीएस), अहमदाबाद की अध्यक्षता में दिनांक 27 जुलाई, 2023 को अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (इसरो), अहमदाबाद में आयोजित की गई। इस बैठक में राजभाषा के कार्यान्वयन की प्रगति पर महत्वपूर्ण विचार विमर्श किया गया। इस बैठक में गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग की क्षेत्रीय प्रतिनिधि डॉ. सुस्मिता भट्टाचार्य, उपनिदेशक (कार्यान्वयन), मुंबई भी उपस्थित रहीं। भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल), अहमदाबाद की ओर से प्रो. अनिल भारद्वाज, निदेशक एवं कार्यालयाध्यक्ष, प्रो. आर.डी. देशपांडे, रजिस्ट्रार, श्री आनंद डी. मेहता, प्रधान, का. एवं सा.प्र., प्रो. सोम कुमार शर्मा, प्रोफेसर, अध्यक्ष विक्रम पत्रिका संपादकीय समिति एवं विक्रम साराभाई हिंदी मौलिक पुस्तक लेखन योजना समिति, श्री प्रदीप कुमार शर्मा, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं श्रीमती रुमकी दत्ता, सहायक निदेशक (रा.भा.) उपस्थित रहे। बैठक के दौरान राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम एवं राजभाषा के विभिन्न नियम और लक्ष्यों को प्राप्त करने के विषय में सभी को अवगत कराया गया और वर्ष 2022-23 के लिए राजभाषा कार्यान्वयन के सर्वश्रेष्ठ कार्य-निष्पादन हेतु भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल), अहमदाबाद को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ इस संबंध में कार्यालयाध्यक्ष प्रो. अनिल भारद्वाज एवं सहायक निदेशक (रा.भा.), श्रीमती रुमकी दत्ता को शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल), अहमदाबाद के निदेशक एवं कार्यालय अध्यक्ष प्रो. अनिल भारद्वाज शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र प्राप्त करते हुए

सीएनआईटी डिविज़न नुक्कड़ – परमविक्रम-1000 एचपीसी पर "चाय पे बाइट"

सौजन्य: श्री. जिगर रावल

कंप्यूटर नेटवर्किंग एवं सूचना प्रौद्योगिकी (सीएनआईटी) प्रभाग का प्रथम नुक्कड़ - "परमविक्रम-1000 एचपीसी पर चाय पे बाइट" 02 अगस्त, 2023 को 14:30 बजे से 16:00 बजे के दौरान पीआरएल के मुख्य परिसर एवं थलतेज परिसर दोनों में ऑफ़लाइन मोड में आयोजित किया गया था। सत्र में विभिन्न प्रभागों/अनुभागों से 39 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सत्र में 80% चर्चा हिंदी में और 20% चर्चा अंग्रेजी में हुई।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य अनुभव और ज्ञान साझा करना, उपयोगकर्ताओं की आईटी संबंधित समस्याओं को समझना, उनका संभावित समाधान ढूंढना और सीएनआईटी प्रभाग और पीआरएल सहयोगियों के बीच समग्र संबंध को सुदृढ़ करना है, जिससे पीआरएल आईटी सेवाओं/सुविधाओं की समग्र कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

श्री जिगर रावल ने सीएनआईटी प्रभाग नुक्कड़ के प्रथम सत्र - 'परमविक्रम-1000 एचपीसी पर चाय पे बाइट' में सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और इस पहल के उद्देश्य और परम विक्रम-1000 के विषय में जानकारी दी। "परम विक्रम-1000 एचपीसी" विषय का मुख्य उद्देश्य अनुभव और ज्ञान को साझा करना, एचपीसी के उपयोगकर्ता की समस्याओं (यदि कोई हो) को समझना और उन्हें सुलझाने में मदद करना है। इसके अतिरिक्त यह भी बताया गया कि, नए उपयोगकर्ताओं को पीआरएल की उपलब्ध उच्च निष्पादन कंप्यूटिंग सुविधाओं का उपयोग करने के लिए प्रेरित और जागरूक करें, जिससे परम विक्रम-1000 एचपीसी के प्रभावी और कुशल उपयोग में सुधार होगा।

प्रारंभिक संबोधन में, एएमओपीएच प्रभाग के प्रो. बिजया साहू ने जटिल वैज्ञानिक समस्याओं को हल करने में उन्नत कंप्यूटिंग की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने उपयोगकर्ताओं को यह जानने के लिए प्रोत्साहित किया कि एचपीसी उनके मौजूदा अनुप्रयोगों में कैसे उपयोगी हो सकता है। उन्होंने मैसेज पासिंग इंटरफेस (एमपीआई), ओपनएमपी में पेरेलल प्रोग्रामिंग की समग्र अवधारणा को समझाया।

सभी प्रतिभागियों ने परम विक्रम-1000 एचपीसी पर अपने विचार साझा किए और बहुमूल्य प्रतिक्रिया दी। सीएनआईटी टीम ने कुछ प्रतिभागियों को परम विक्रम-1000 एचपीसी पर उनके एप्लिकेशन को सफलतापूर्वक पोर्ट करने के लिए हर संभव तकनीकी सहायता प्रदान की है। वे अपने एप्लिकेशन को सफलतापूर्वक चला सकते हैं और अपने अनुसंधान/शैक्षणिक कार्य के लिए वांछित आउटपुट प्राप्त कर सकते हैं।

सभी प्रतिभागियों ने सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया और सीएनआईटी की नई पहल की सराहना की।

सीएनआईटी टीम विभिन्न आईटी क्षेत्रों में ऐसी गतिविधियों को शुरू करने के लिए उनके निरंतर मार्गदर्शन और प्रेरणा के लिए निदेशक, पीआरएल को अंतर से धन्यवाद देते हैं। हम रजिस्ट्रार, पीआरएल और डीन, पीआरएल को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देते हैं। हम आईटी से संबंधित सभी गतिविधियों और परियोजनाओं में उनके मार्गदर्शन और समर्थन के लिए प्रो. बिजया साहू, प्रो. वरुण शील और प्रो. नमित महाजन को धन्यवाद देते हैं। हम हृदय से उन सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद देते हैं जिन्होंने उत्साहपूर्वक भाग लिया, अपनी बहुमूल्य प्रतिक्रिया दी और हमें भविष्य में इसी तरह के आयोजन करने के लिए प्रोत्साहित किया। हम सभी पीआरएल उपयोगकर्ताओं को भी उनके सहयोग और मदद के लिए धन्यवाद देते हैं।

सत्र की विस्तृत रिपोर्ट सीएनआईटी प्रभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध है, जो पीआरएल आंतरिक नेटवर्क के अंतर्गत उपलब्ध है।

Link- https://www.prl.res.in/prl-eng/cc/intranet/chaipebyte

राही

आर.डी. देशपांडे

राह वही है , कष्ट वही है , रुके है सारे राही इससे मत घबराओ प्यारे ,

इससे मत ना डरो सोच नई लेकर मनमे कर कमलोसे कुछ करो ॥

१॥

कारगिल मे नही है जाना, खून अपना है नही बहाना कर्मक्षेत्र ही धर्मक्षेत्र

है , इसीमे अर्ध्य धरो सोच नई लेकर मनमे कर कमलोसे कुछ करो ॥

२॥

राष्ट्रगान गाकर केवल ना बदले देश हमारा जात-पात, नर-नारी , उचनीच

इन भेंदो को हरो सोच नई लेकर मनमे कर कमलोसे कुछ करो॥

३॥

दान दयासे कैसे तुम बदलोगे इस दुनियाको ? हाथ बटाओ, हाथ बढाओ,

हक ना किसीका हरो सोच नई लेकर मनमे कर कमलोसे कुछ करो ॥

४॥

बचपन की यादें

हर्षा पारीक

बचपन की रातें भी कहानियों की साथी थी,
जब चंदा मामा और परियों की बात की जाती थी,

ना जाने कहाँ चली गयी छतों की कौतूहल,
देखा खड़ा है आज वहाँ ईटों का महल।।

जब बरसात होती तो मोहल्ले में पानी का सैलाब दिखता,
ना जाने कितने बच्चों के सपनों का कागज तैरता,

कोई मेरी नैय्या तो कोई टाईटेनिक पुकारता,
हर कोई ख़ुद को अपनी जहाज का मालिक बताता।

स्कूल हमारा प्यारा सा घर हुआ करता था,
जहाँ मस्ती और ज्ञान का भंडार भरा हुआ रहता था,
समय गुजरा तो बचपन ने हाथ छुड़ा लिया,
स्कूल पीछे छूटा तो जवानी ने हाथ मिला लिया।।

दो लोगों ने मुझे मेरी जिंदगी का मकसद बताया,
बाबू जी ने सम्भलना तो माँ ने उड़ना सिखाया,
यारों उड़ना भी एक खूबसूरत कला है,
मैंने उनसे सीखा जिन्हें भगवान का दर्जा मिला है।।

"ये दौलत भी ले लो, ये शोहरत भी से लो, भले छीन लो मुझसे मेरी जवानी, मगर मुझको लौटा दो बचपन का सावन, वो कागज की कश्ती वो बारिश का पानी ।"

सुदर्शन फाकीर ने इन पंक्तियों में बचपन की उन सुहावनी यादों को सँजो रखा है, जब वह देश-दुनिया के सारे झंझावातों से परे अपने ही संसार में मग्न रहा करते थे । आज हम कामना करते हैं कि हमारे बचपन के सुहाने दिन पुन: लौट आएँ, भले ही इसके लिए सारी दौलत और ख्याति क्यों न ले ली जाए, किन्तु यह कटु सत्य है कि बचपन लौटकर नहीं आता और रह जाती हैं केवल उसकी यादें ।

हर्ष चोपड़ा

असली आज़ादी

आज़ाद हूँ मैं अगर सत्यवादी हूँ। आज़ाद हूँ मैं अगर राष्ट्रवादी हूँ।

आज़ाद हूँ मैं अगर समय का पाबंद हूँ। नियम का पालन मेरी आज़ादी है।

मुझमे दया भाव है में आज़ाद हूँ। मुझमे सहानुभूति है मैँ आज़ाद हूँ।

मैँ सवेंदनशील हूँ मैँ आज़ाद हूँ। मैँ कर्मठ हूँ मैँ आज़ाद हूँ।

में निडर हूँ मैँ आज़ाद हूँ । मुझमे साहस है में आज़ाद हूँ।

ईमानदारी मेरी आज़ादी है,ज़िम्मेदारी मेरी आज़ादी है।

मेरा शरीर स्वस्थ है में आज़ाद हूँ।

मेरे प्राण पुस्ट है मैँ आज़ाद हूँ।

मेरा मन परिपूर्ण है मैँ आज़ाद हूँ।

मेरा ज्ञान सम्यक है मैँ आज़ाद हूँ।

मै आनन्दमय हूँ मैँ आज़ाद हूँ।

इसलिये ईश्वर सदा मेरे साथ है,

हाँ मै आज़ाद हूँ।

नवल किशोर भद्री

उड़ते कदम

शहर की ओर बढ़ते कदम

ज़मीन पर नहीं पड़ते।

पुश्तैनी घर की मुख्य चौखट से

निकलते ही, क़दमों पर

पंख लग जाते हैं।

जब शहर में अपने लोग भी

दूर से हाथ हिलाकर

निकलते हैं,

हवा और पानी जब रूप बदल देते हैं,

तब आखिर उड़ते कदम

वापस ज़मीन पर

आना चाहते हैं।

पर बहुत देर हो जाती है

ज़मीन तब तक

दो गज़ में सिकुड़ जाती है।

संस्मरण

नवल किशोर भद्री

उस शाम को हम अपने कमरे पर ही थे। अप्रैल-मई की वह लू भरी शाम मन को आनंदित कर रही थी इसका कारण यह भी था कि आजकल में ही हमारी वार्षिक परीक्षाएँ खत्म हुई थी। स्कूल में नयी कक्षाएं शुरू हो गयी थी और नयी कक्षा की हिंदी की पुस्तक मैं लगभग पढ़ चुका था। उस शाम मैं अपने अध्ययन कक्ष में बैठकर कुछ धार्मिक पत्रिकाओं में डूबा था। इसी बीच मेरा ध्यान भंग करते हुए मेरी छोटी बहन ने कहा, नवल तुझे पता है सुनील भैय्या बहुत अच्छा पढ़ाते हैं। तू भी चल न उनके पास! एक क्षण तो मैंने इसमें कुछ रुचि नहीं दिखाई किन्तु अगले दिन से मैं भी भैय्या के पास अंग्रेजी व्याकरण पढ़ने के लिए जाने लगा।

पहले दिन मैं उनके सामने सभ्य एवं शिष्ट बना रहा। उनका व्यक्तित्व इतना सादा एवं सरल था कि मैं अब कुछ दिनों बाद उनसे बिल्कुल भी न झेंपता था। वैसे पहले कुछ दिन तक केवल मेरी छोटी बहन ही उनके पास पढ़ने के लिए जाती थी। फिर मैं और इसी क्रम में मेरी दीदी और हमारा एक पड़ोसी सहपाठी भी हमारे समूह में शामिल हो गया। हालाँकि भैय्या हमसे कुछ भी फीस नहीं लेते फिर भी हम पढ़ने के इस क्रम को ट्यूशन ही कहते। मुझे न जाने क्यों इतनी जल्दी होती ट्यूशन जाने की और एक घंटा समाप्त होने पर भी वापस घर आने का मन न करता। एक दिन पढ़ाते हुए उन्हें न जाने क्या सूझा कि वह हमसे ईश्वर-परमात्मा संबंधित कुछ प्रश्न पूछने लगे। हमने हँसी मज़ाक में सब कुछ बता दिया जो हमें अनुभव हुआ था। इसी प्रकार उन्होंने हमें ईश्वर के अस्तित्व एवं मानव के जन्म की कहानी सुनाई। वह कहानी मुझे इतनी अद्‌भुत एवं रोचक लगी कि संध्या कब अन्धकार से घिर गई पता ही नहीं चला। फिर जल्दी से मैं सीढ़ियाँ उतरकर अपने कमरे पर आया और बिस्तर पर आराम मुद्रा में लेट गया। मेरे मन में वही सब कुछ घटित हो रहा था जो कहानी में कहा गया था। मैं कुछ भयभीत भी हो उठता जब कहानी में शैतान की परिकल्पना परिपक्व होती थी।

फिर आज मेरी प्रार्थना भी कुछ देरी से हुई। पढ़ाई में मन नहीं लग रहा था। बस ईश्वर एवं उसकी दुनिया ही मेरे मन में घूम रही थी। किसी तरह अगले दिन की सुबह हुई और फिर उस दिन मेरे पास कल की कहानी को लेकर बहुत प्रश्न थे। संध्या समय सुनील भैय्या ने और भी कुछ नई जानकारी दी। इसी दौरान उन्होंने स्वयं के कुछ आध्यात्मिक अनुभव भी हमसे बाँटे। कभी कभी शाम को मैं उनके साथ घूमने जाता था। मुझे अब उनसे आत्मिक लगाव हो गया था। उस समय मैं कक्षा आठवीं से नौवीं में गया था। सुनील भैय्या के पास हम जाते तो पढ़ने के लिए थे किन्तु मेरे ज्यादा प्रश्न आध्यात्म पर ही होते। वे सब प्रश्नो का सादगीपूर्ण एवं सरल उत्तर देते। हर दिन का यही क्रम रहता, वे कुछ न कुछ कहानियाँ हमे सुनाते रहते। अगर इस बीच उनके परिवार का कोई सदस्य वहाँ आता तो वह बीच में ही बात काटकर बड़ी बुद्धिमत्ता से नया प्रसंग छेड़ देते।

एक घटना मुझे ठीक से याद है – एक बार वे हमें "एडम एंड ईव" की कहानी सुना रहे थे। सब बड़ी उत्सुकता से सुन भी रहे थे कि इस बीच उनकी माताजी वहाँ पर आ गयी। उन्होंने तुरन्त अपनी कहानी रोककर हमसे प्रश्न किया कि महात्मा गाँधी जी का जन्म कब हुआ था? मैंने भी अपनी हाज़िरजबाबी दिखाई। जल्दी से उत्तर दिया १६६९ ई०। पर जल्दी में मैं ये क्या कह गया मुझे पता न चला। फिर उन्होंने तर्क दिया कि महात्मा गाँधी जी ने तो हमारे देश की आज़ादी में बहुत बड़ा योगदान दिया था और भारत के आज़ाद होने की सुखद घटना २०वीं सदी की थी। इस हिसाब से गाँधी जी २०० वर्ष से भी बड़े हो रहे थे। हमारी इन सब बातों को सुनकर पास में खड़ी उनकी माताजी हँस रही थीं। उनके जाने के बाद मैं अब अपनी गलती पर हँस रहा था जिस पर सबने खूब मजे लिए। यह सब अनायास ही हुआ था। फिर वे अपनी कहानी पर आ गए और हम सब रोचकता से उसे आत्मसात कर रहे थे।

मानव जीवन और उसकी चुनौतियाँ

सौजन्य: दिनेश यादव

मानव जीवन एक अनोखा अनुभव है जो बहुत सी अनसुलझी पहेलियों के साथ आता है। इसमें मनुष्य सुख और दुःख का अनुभव करने के साथ साथ बहुत सी चुनौतियों का भी सामना करता हैं, जैसे कि संघर्ष, विपत्ति, संदेह, स्थिरता और निर्णय। ये चुनौतियां व्यक्तिगत, सामाजिक, शारीरिक अथवा भावनात्मक, किसी भी प्रकार की हो सकती हैं, और उन्हें दूर करने के लिए हमें अपनी पूर्ण शक्ति और साहस को जगाने की आवश्यकता होती है।

मनुष्य के समक्ष सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक चुनौती, परिवर्तन की चुनौती है। चाहे वह एक नई नौकरी, एक नए शहर, नए रिश्ते, या जीवन के एक नए तरीके की हो, परिवर्तन मुश्किल और परेशान करने वाला हो सकता है। यह हमारी दिनचर्या को बाधित करता है और हमें हमारे सुखद क्षेत्र से बाहर निकलने पर मजबूर करता है, जिसकी वजह से जीवन तनावपूर्ण और चिंता-प्रेरित हो जाता है। हालांकि, सकारात्मक दृष्टि से देखें तो परिवर्तन जीवन का एक अहम हिस्सा है। यह हमें नए अवसर और अनुभव प्रदान करता है जो हमारे पास कभी नहीं होते।

एक और चुनौती जिसका मनुष्य सामना करता है वह है प्रतिकूल परिस्थितियों की चुनौती। प्रतिकूलता विभिन्न रूप ले सकती है, बीमारी और चोट से लेकर वित्तीय कठिनाई तथा रिश्तों की समस्याओं तक। जब हमें प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, तो सामान्यतः हार मानना या उन परिस्थितियों से अभिभूत होना आसान हो जाता है। लेकिन, यह स्मरण रखना महत्वपूर्ण है कि प्रतिकूलता विकास और सीखने का अवसर भी हो सकती है। हम चुनौतियों का सामना करके और कठिन समय में दृढ़ रहते हुए, नई प्रतिभाओं, जुनून और दृष्टिकोणों की खोज कर सकते हैं जो हमारे जीवन को समृद्ध करती हैं।

एक तीसरी चुनौती जिसका मनुष्य सामना करता है वह है पहचान की चुनौती। हम कौन हैं और हम खुद को कैसे देखते हैं। यह हमारी परवरिश, हमारे अनुभवों और हमारे रिश्तों सहित विभिन्न कारकों द्वारा आकार दी जाती है। हालांकि, हमारी पहचान तय नहीं है और यह समय के साथ बदलती रहती है । हम अपने अतीत के स्वयं और भविष्य के स्वयं के साथ वर्तमान के स्वयं की भावना को समेटने के लिए संघर्ष करते हैं। तथापि, परिवर्तन को गले लगाने और हमारी पहचान के नए पहलुओं की खोज करके, हम नई प्रतिभाओं, जुनून और दृष्टिकोणों की खोज कर सकते हैं जो हमारे जीवन को समृद्ध कर सकते हैं।

अंत में, मनुष्य को एक न्यायसंगत समाज बनाने की चुनौती का भी सामना करना पड़ता है। यह चुनौती भेदभाव, असमानता और उत्पीड़न के हमारे इतिहास में निहित है, और इसके लिए हमें अपने और हमारे समाज के बारे में असहज सच्चाइयों का सामना करने की आवश्यकता है। हालांकि, इन मुद्दों को संबोधित करने और सभी के लिए न्याय और समानता को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करके, हम अपने और भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक बेहतर भविष्य बना सकते हैं।

अतः मनुष्य को अपने पूरे जीवन में आने वाली विभिन्न प्रकार की चुनौतियों को विकास और सीखने का अवसर मानकर, उनका सामना करके, उन्हें जीवन के उतार-चढ़ाव समझ कर, अपने एवं दूसरों के लिए एक बेहतर संसार बनाने के लिए आवश्यक साहस, शक्ति और लचीलापन विकसित करना चाहिए । इसके लिए हमें कुछ मूल बातें जैसे समय, प्रेम, मित्रता, उपकार, सहयोग, धैर्य, ईमानदारी और विश्वास आदि को ध्यान में रखते हुए, अपने जीवन को उत्साह और जोश के साथ जीना चाहिए।

इसरो के चंद्रयान-3 मिशन का सारांश

सौजन्य: ऋषितोष कुमार सिन्हा

1947
2022
75
LATINUM JUBILEE

भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला
Physical Research Laboratory
IPSC
2023

विक्रम संपादक मंडल

संरक्षक
डॉ. अनिल भारद्वाज

संपादक
डॉ. सोम कुमार शर्मा

सह संपादक
श्री जिगर ए. रावल

सदस्य
डॉ. भूषित वैष्णव

सदस्य
श्री ऋशितोष कुमार सिन्हा

सदस्य
श्रीमती रुमकी दत्ता

सदस्य
डॉ. नरेन्द्र ओझा

सदस्य
श्री तेजस सरवैया

सदस्य
डॉ. गिरजेश आर. गुप्ता

सदस्य
श्री विवेक कुमार मिश्रा

सदस्य
श्रीमती प्रीति पोद्दार

सदस्य
श्री आशीष जी सवडकर

सहयोजित सदस्य
श्री अभिषेक

सहयोजित सदस्य
श्रीमती हर्षाबेन परमार

सहयोजित सदस्य
सुश्री सोनम जीतरवाल

अनुत्तरदायित्वता: पी.आर.एल. द्वारा प्रकाशित विक्रम पत्रिका के लेख, वक्तव्य, विचार एवं प्रस्तुत सामग्री लेखकों द्वारा प्रदान की गई है और इन सभी की वैधता एवं सत्त्वाधिकार (कॉपीराइट) से संबंधित वैधिक एवं अन्य उत्तरदायित्व लेखकों का है। किसी भी प्रकार के विवाद या वैधिक स्थिति के उल्लंघन में पी.आर.एल. एवं संपादक मंडल उत्तरदायी नहीं होंगे।

आप इस पत्रिका में मुद्रित सामग्री का उपयोग कर सकते हैं। कृपया सौजन्य का उल्लेख अवश्य करें।

पी.आर.एल. मुख्य परिसर, अहमदाबाद

पी.आर.एल. अवरक्त वेधशाला, गुरुशिखर, माउंट आबू

पी.आर.एल. थलतेज परिसर, अहमदाबाद

पी.आर.एल. सौर वेधशाला, उदयपुर

भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला
(भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग की यूनिट)
नवरंगपुरा, अहमदाबाद - 380009
दूरभाष: (079) 26314000
फैक्स: (079) 26314900
ई - मेल: director@prl.res.in
https://www.prl.res.in

Physical Research Laboratory
(A unit of Dept. of Space, Govt. of India)
Navrangpura, Ahmedabad - 380009
Phone: (079) 26314000
Fax: (079) 26314900
E-Mail: director@prl.res.in
https://www.prl.res.in

website-hindi

website-english

prl-contact

https://www.facebook.com/PhysicalResearchLaboratory
https://twitter.com/PRLAhmedabad
https://www.youtube.com/c/PRLAhmedabad_webinars

https://www.kooapp.com/profile/prlahmedabad
https://www.linkedin.com/in/prl-ahmedabad-89600122b/
https://www.instagram.com/prl1947/